सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

कहां अटकी है अनुष्का शर्मा की चकदा एक्सप्रेस -पेजः 8

नीरज चोपड़ा लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि से सम्मानित -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 40 | शुक्रवार- 16 मई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

अमित शाह ने नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में घायल हुए पांच सुरक्षा बलों से मुलाकात की

नयी दिल्ली (एजेंसी) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का दौरा किया और छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान घायल हुए पांच सुरक्षा बलों से मिलकर उनका हालचाल जाना। सूत्रों ने यह जानकारी दी। ये सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर स्थित करेंगुट्टा की पहाड़ियों (केजीएच) में चलाए गए 21 दिनों के नक्सल विरोधी अभियान 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के दौरान घायल हुए थे। सूत्रों ने कहा कि शाह दिल्ली एम्स के ट्रॉमा सेंटर पहुंचे, घायल सुरक्षा बलों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली और उनका इलाज कर रहे चिकित्सकों से भी बात की। एम्स दिल्ली में 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के दौरान घायल हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन कोबरा कमांडो, एक सीआरपीएफ जवान और छत्तीसगढ़ पुलिस के एक जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) का इलाज किया जा रहा है।

उप्र: मंत्रिपरिषद ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की ताकत और एकता का प्रमाण बताया

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद ने बृहस्पतिवार को एक बधाई प्रस्ताव पारित किया, जिसमें उसके और प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा भारतीय सेना को 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा गया कि यह अभियान राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता और आतंकवाद के खिलाफ उसके मजबूत रुख का प्रदर्शन है।

मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा, प्रस्ताव में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन की सराहना की गई, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता और आतंकवाद के खिलाफ उसके मजबूत रुख का प्रदर्शन है।

उन्होंने कहा कि मंत्रिपरिषद ने भारतीय सेना की वीरता और साहस की सराहना की और उन्हें हार्दिक बधाई दी। प्रस्ताव में कहा गया है, पूरे उत्तर प्रदेश को देश की सुरक्षा के लिए समर्पित हमारे बहादुर सैनिकों पर गर्व है। खन्ना ने कहा कि मंत्रिपरिषद ने ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन की खातिर राष्ट्र को सफल नेतृत्व प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रस्ताव में इस बात पर जोर दिया गया कि पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है और ''ऑपरेशन सिंदूर हमारी ताकत और एकता तथा देश की रक्षा के लिए हमारे सामूहिक संकल्प का प्रमाण है।₹

उन्होंने कहा, "मंत्रिपरिषद भारतीय सेना के शौर्य, साहस और प्रतिबद्धता को नमन करते हुए उनका हृदय से अभिनंदन करती है। राष्ट्र की रक्षा में समर्पित हमारे वीर सैनिकों पर पूरे उत्तर प्रदेश को गर्व है। ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन हेतु मंत्रिपरिषद राष्ट्र को यशस्वी नेतृत्व प्रदान करने वाले प्रधानमंत्री मोदी के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करती है।"

खन्ना ने बताया कि बैठक में मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ सभी राज्य मंत्रियों और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों की मौजूदगी में प्रस्ताव पारित किया गया। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान जाने के बाद सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया जिसके तहत में पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ढांचों को निशाना बनाया गया।

इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया।

संक्षिप्त समाचार

विजय शाह के बारे में संजय राउत के बयान से पूरे शाह समुदाय का अपमान हुआः भाजपा

नयी दिल्ली (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत ने मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के बारे में दिए गए बयान से पूरे शाह समुदाय का अपमान किया है। राउत ने कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में दिए गए बयान के लिए शाह पर निशाना साधते हुए कहा था कि "कोई भी शाह देशभक्त नहीं है"। राउत ने मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए शाह को मंत्रिपद से हटाने और मध्य प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। उन्होंने कहा, "यह विजय शाह ऐसे ही बातें करता रहेगा क्योंकि वह तो शाह है।" इसके बाद उन्होंने कहा, "कोई भी शाह देशभक्त नहीं है...मैं बार-बार शाह कह रहा हूं। ये वो लोग हैं जो पीछे से वार करते हैं।" भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राउत के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे "अशोभनीय और जातिवादी" करार दिया और आरोप लगाया कि उन्होंने पूरे शाह समुदाय का अपमान किया है।

भारत के शुभांशु शुक्ला अब आठ जून को अंतरिक्ष स्टेशन पर जाएंगे

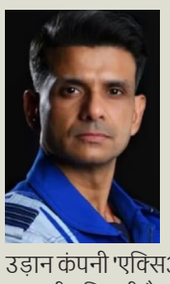

नयी दिल्ली (भाषा) भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला आठ जून को चालक दल के तीन अन्य सदस्यों के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना होंगे। अमेरिका की वाणिज्यिक मानव अंतरिक्ष उड़ान कंपनी 'एक्सिओम स्पेस' और नासा ने इस बात की पुष्टि की है। यह मिशन पहले 29 मई को आईएसएस के लिये रवाना होने वाला था, लेकिन अब अंतरिक्ष यान को अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित केनेडी स्पेस सेंटर से भारतीय समयानुसार आठ जून की शाम छह बजकर 41 मिनट पर प्रक्षेपित किया जाएगा। नासा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, "अंतरिक्ष स्टेशन के उड़ान कार्यक्रम की समीक्षा के बाद, नासा और उसके साझेदार कई आगामी मिशनों के प्रक्षेपण अवसरों को पुनर्निर्धारित कर रहे हैं। एक्सिओम मिशन-4 अब रविवार, आठ जून को पूर्वाह्न 9:11 बजे, लॉन्च होगा।"

भूमि धोखाधड़ी मामले में चकबंदी विभाग के चार कर्मचारी गिरफ्तार

संभल (उप्र) (भाषा) उत्तर प्रदेश के संभल जिले में पुलिस ने 58 फर्जी व्यक्तियों को 326 बीघा सरकारी जमीन अवैध रूप से आवंटित करने से जुड़े भूमि धोखाधड़ी मामले में चकबंदी विभाग के चार कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। संभल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार ने पत्रकारों को बताया कि यह धोखाधड़ी गुन्नौर थाना क्षेत्र में हुई। अधिकारी ने कहा, "चकबंदी विभाग के अधिकारियों ने सुखैला गांव में जमीन की हेराफेरी की, जिसे आधिकारिक तौर पर निर्जन घोषित किया गया था। लेखपाल कुलदीप सिंह ने प्रारंभिक शिकायत दर्ज की, जिसके बाद 2018 में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी।" एसपी ने कहा कि जांच में पता चला कि सभी 58 लाभार्थियों के नाम और पते फर्जी थे। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि चकबंदी विभाग के चार कर्मचारियों की पहले ही मौत हो चुकी थी, जबकि बृहस्पतिवार को काली चरण, राम अवतार, मोर ध्वज और राम निवास एवं चार अन्य को गिरफ्तार किया गया।

कर्नल कुरैशी पर टिप्पणी

न्यायालय ने मप्र के मंत्री से किया प्रश्न, याचिका पर सुनवाई आज

नयी दिल्ली (एजेंसी) उच्चतम न्यायालय ने कर्नल सोफिया कुरैशी के संबंध में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह को बृहस्पतिवार को फटकार लगाते हुए कहा कि जब देश में ''ऐसे हालात हैं'' उस वक्त किसी मंत्री के मुख से निकला एक-एक शब्द जिम्मेदारी भरा होना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने शाह के वकील से कहा, ''आप (याचिकाकर्ता) किस तरह के बयान दे रहे हैं? आप सरकार के एक जिम्मेदार मंत्री हैं।'' पीठ में न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल हैं। यह पीठ शुक्रवार को शाह की उस याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के 14 मई के आदेश को चुनौती दी गई है। उच्च न्यायालय ने शाह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था।

प्रधान न्यायाधीश ने शाह के वकील से कहा, ''जब देश ऐसे हालात से गुजर रहा है, तो ऐसे में किसी मंत्री के मुख से निकला प्रत्येक वाक्य या शब्द जिम्मेदारी भरा होना चाहिए।'' पीठ ने कहा, ''ऐसे संवैधानिक पद पर बैठे लोगों से संयम बरतने की अपेक्षा की जाती है।'' शाह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विभा दत्ता मखीजा ने याचिका की तत्काल सुनवाई के लिए पीठ के समक्ष मामले का विशेष उल्लेख किया और कहा कि उच्च न्यायालय ने इसका स्वतः संज्ञान लिया है और प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है।

बाद में, एक अन्य वकील ने पीठ के समक्ष एक अलग याचिका का उल्लेख किया, जिसमें कर्नल कुरैशी के खिलाफ टिप्पणी के लिए शाह के खिलाफ कार्रवाई किये जाने का अनुरोध किया गया है।

पीठ ने कहा, ''हम इस तरह के 'प्रचार पाने वाले मुकदमे' नहीं चाहते। कोई भी अखबार पढ़ता है और ऐसी याचिकाएं दायर करता है।'' पीठ ने कहा कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने पहले ही मामले का संज्ञान ले लिया है।

मखीजा ने कहा कि याचिकाकर्ता, राज्य के आदिवासी मामलों के मंत्री ने खेद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, ''यह ऐसा बयान था जिसका गलत मतलब निकाला गया और इसे मैं साबित कर सकती हूं। उनका (शाह का) कभी भी वह मतलब नहीं था जो मीडिया द्वारा निकाला एवं बताया जा रहा है।'' पीठ ने कहा, ''अब प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है।''

वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि याचिकाकर्ता प्राथमिकी पर रोक लगाने का अनुरोध कर रहे हैं, क्योंकि उच्च न्यायालय ने उनका पक्ष नहीं सुना है। मखीजा ने कहा कि उनके मुवक्किल बस यही अनुरोध कर रहे हैं कि जब तक उनका पक्ष नहीं सुना जाता तब तक कोई कार्रवाई न की जाए। पीठ ने प्रश्न किया कि याचिकाकर्ता ने राहत के लिए उच्च न्यायालय का रुख क्यों नहीं किया। पीठ ने कहा, ''केवल इसलिए कि कोई व्यक्ति मंत्री है, क्या हमें इस पर विचार करना चाहिए।''

पीठ ने कहा, ''उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करें।''

जब मखीजा ने उच्चतम न्यायालय से उच्च न्यायालय के आदेश को देखने का आग्रह किया तो पीठ ने कहा, ''हम इसे कल देखेंगे।''

वक्फ कानून : अंतरिम राहत के मुद्दे पर 20 मई को सुनवाई करेगा न्यायालय

नयी दिल्ली (एजेंसी) उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं में अंतरिम राहत देने के मुद्दे पर 20 मई को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ 'वक्फ बाई यूजर' या 'वक्फ बाई डीड' द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने के अधिकार समेत तीन मुद्दों पर अंतरिम निर्देश पारित करने के मामले में दलीलें सुनेगी। दूसरा मुद्दा राज्य वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से संबंधित याचिकाओं में उठाया गया जहां उनकी दलील है कि पदेन सदस्यों के अलावा केवल मुसलमानों को इसका परिचालन करना चाहिए।

तीसरा मुद्दा उस प्रावधान से संबंधित है, जिसके अनुसार, जब कलेक्टर यह पता लगाने के लिए जांच करेगा कि संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं, तो वक्फ संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा।

प्रधान न्यायाधीश ने याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित करते हुए कहा, "हम अंतरिम राहत के मुद्दे पर मंगलवार को ही विचार करेंगे।"

पीठ ने कानून की वैधता को चुनौती देने वालों की ओर से पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अन्य तथा केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सोमवार 19 मई तक अपने लिखित नोट्स जमा करने को कहा। दोनों पक्षों के वकीलों ने पीठ को सूचित किया कि न्यायाधीशों को दलीलों का अध्ययन करने में और समय लग सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी डर के कारण जातिगत गणना के लिए सहमत हुएः राहुल

दरभंगा (बिहार) (एजेंसी) कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की वंचित आबादी के डर से जातिगत गणना कराने पर सहमत हुए हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह टिप्पणी बिहार के दरभंगा जिले में छात्रों के साथ एक संवाद कार्यक्रम में की। स्थानीय प्रशासन ने कांग्रेस नेता को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने से रोकने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हुआ। रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने कहा, '' जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मेरी कार को (मिथिला विश्वविद्यालय के) गेट पर रोक दिया गया। लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं बाहर निकला और एक घुमावदार रास्ते से पैदल यहां आ गया।'' उन्होंने बिहार में जन संपर्क कार्यक्रम 'शिक्षा न्याय संवाद' की शुरुआत की। राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। गांधी ने विश्वविद्यालय के आंबेडकर छात्रावास में यह बात कही, जहां प्रशासन ने कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''आपको पता है कि बिहार की सरकार मुझे क्यों नहीं रोक सकी? ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि आपमें जो ऊर्जा का भंडार है मैं भी उससे ऊर्जावान हुआ हूं। यही वह ऊर्जा है जिसके आगे नरेन्द्र मोदी को झुकना पड़ा।'' गांधी ने दावा किया, '' हमने मोदी से कहा कि आप संविधान को अपने माथे से लगाएं और उन्होंने ऐसा किया।

'राहुल को बिहार में छात्रों से संवाद करने से रोकना तानाशाही की पराकाष्ठा'

नयी दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बिहार के दरभंगा में छात्रों से संवाद करने से रोका जाना तानाशाही की पराकाष्ठा है। खरगे ने यह दावा भी किया कि बिहार के लोग जनता दल (यू) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को माकूल जवाब देंगे। पुलिस ने राहुल गांधी को बृहस्पतिवार को दरभंगा में आंबेडकर छात्रावास जाते समय रोक लिया था, हालांकि बाद में वह अंदर गए और छात्रों से संवाद किया।

ट्रंप की शुल्क संबंधी घोषणा पर प्रधानमंत्री चुप हैंः कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस ने बृहस्पतिवार कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस घोषणा पर पूरी तरह चुप हैं कि भारत ने अमेरिकी वस्तुओं पर सभी शुल्क हटाने की पेशकश की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "वाणिज्य मंत्री वाशिंगटन डीसी में हैं और राष्ट्रपति ट्रंप ने दोहा से एक और बड़ी घोषणा की है। हमारे प्रधानमंत्री पूरी तरह चुप हैं। उन्होंने क्या सहमति दी है? और ऑपरेशन सिंदूर को रोकने से इसका क्या संबंध है?"

अखिलेश ने गोमती रिवर फ्रंट से गायब 'विश्वस्तरीय फव्वारों' पर सवाल उठाए

लखनऊ (एजेंसी) समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर गोमती नदी की बिगड़ती स्थिति को लेकर तीखा हमला बोला और सरकार पर अपनी जिम्मेदारी जनता पर डाल देने का आरोप लगाया।

'एक्स' पर एक अखबार की कतरन साझा करते हुए यादव ने भाजपा के शासन मॉडल और नदी की सफाई अभियान में जनता की भागीदारी के लिए मुख्यमंत्री के आह्वान का मजाक उड़ाया। अखबार की इस खबर में मुख्यमंत्री द्वारा एक महीने के भीतर गोमती की सफाई पर एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

यादव ने लिखा, ''जनता अब भाजपा की सफ़ाई का कार्यक्रम बना चुकी है, भाजपा की सफाई से सब कुछ अपने आप साफ़ हो जाएगा। जिस जनता के हाथ में मुख्यमंत्री जी जिम्मेदारी का टोकरा थमाकर अपने दायित्व से बचना चाहते हैं वही जनता सरकार से पूछ रही है कि गोमती में लगे विश्वस्तरीय फाउंटेन मतलब विश्वस्तरीय फ़व्वारे कहां गये? कोई आंखों के सामने से चुरा ले गया या बेचकर मिलकर-बांटकर आपस में निपटारा हो गया।''

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा अब अपनी नाकामी का ठीकरा जनता के सिर पर फोड़ने की तैयारी है।

संभलः मृतकों को मनरेगा मजदूर बता कर ली गई मजदूरी, जिलाधिकारी ने दिये जांच के आदेश

संभल (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के संभल जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें एक दर्जन से अधिक मृत व्यक्तियों को कथित तौर पर मजदूर बताकर उनके नाम से फर्जी तरीके से मजदूरी निकाली गई। जिला प्रशासन ने पुष्टि की है कि मामले की जांच चल रही है और ग्राम प्रधान से वसूली शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, यह घोटाला संभल जिले के पंवासा ब्लॉक के अतरासी गांव में हुआ, जो जिला मुख्यालय बहजोई से लगभग आठ किलोमीटर दूर है।

गांव की मौजूदा ग्राम प्रधान सुनीता यादव पर अपने कार्यकाल के दौरान मृतक ग्रामीणों के नाम पर जॉब कार्ड बनाने और कागजों पर गलत तरीके से काम पूरा दिखाकर मजदूरी निकालने का आरोप है।

संभल के जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र पेंसिया ने संवाददाताओं से कहा, यह मामला करीब सात महीने पहले मेरे संज्ञान में आया था और जांच के आदेश दिए गए थे। मामले में गबन 10 प्रतिशत से कम होने पर हम संबंधित अधिकारी से वसूली करते हैं। इस मामले में 1.05 लाख रुपये का गबन पाया गया, जिसकी वसूली प्रधान से की जा रही है। गांव में अन्य विकास कार्यों की भी जांच की जा रही है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चौंकाने वाली बात यह है कि लाभार्थी मजदूरों में एक इंटर कॉलेज के प्राचार्य का भी नाम है और उसे इसकी जानकारी नहीं थी।

मुलायम सिंह यादव इंटर कॉलेज के प्राचार्य ऋषिपाल सिंह ने कहा, मेरी जानकारी के बिना मेरे नाम से जॉब कार्ड बना दिया गया। मैंने कभी मनरेगा के तहत काम नहीं किया, फिर भी मेरा नाम रिकॉर्ड में दर्ज है और पैसे निकाल लिए गए। जांच के दौरान मुझे पूछताछ के लिए भी बुलाया गया।

गांव के निवासी संजीव कुमार ने बताया, मेरे दादा जगत सिंह का 2020 में निधन हो गया था। हमें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि उनके नाम पर मनरेगा के तहत मजदूरी निकाली जा रही है। हमें तब पता चला जब अधिकारी गांव में जांच करने आए। हमने सुना है कि करीब एक दर्जन मृत व्यक्तियों के नाम पर जॉब कार्ड बनाए गए हैं।

मामले में मुख्य शिकायतकर्ता निर्मल दास ने आरोप लगाया कि मौजूदा प्रधान के दिवंगत ससुर और उनके परिवार के कई सदस्यों के नाम पर भी जॉब कार्ड बनाए गए हैं। उन्होंने कहा, सरकारी कोष से उनके नाम पर पैसे निकाले गए। कुछ लाभार्थी तो अब गांव में रहते भी नहीं हैं, फिर भी उनकी पहचान का इस्तेमाल करके पैसे निकाले गए।

संपादकीय

पाक के हक में अरुणाचल की चाल

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये पाक को सबक सिखाया है, चीन प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन करता नजर आ रहा है। चीन-पाक की दुरभिसंधि दशकों पुरानी है लेकिन उसकी हालिया करतूतों की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वह न केवल पाकिस्तान की सैन्य व आर्थिक मदद ही कर रहा है बल्कि चीनी सरकारी मीडिया भी कुप्रचार व भ्रामक समाचार फैलाने में पाक के साथ खड़ा नजर आ रहा है। अब उसने अपनी नई करतूत अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलकर उजागर की है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। लगातार तीसरे साल चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदला है। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। जैसा कि उम्मीद भी थी, भारत सरकार ने चीन के इन बेतुके दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। नई दिल्ली ने बीजिंग के इस बेतुके-निराधार दावे को सिरे से नकार दिया है। भारत सरकार ने फिर से दोहराया है कि 'अरुणाचल भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था और हमेशा रहेगा।' दरअसल, चिंता की बात यह है कि चीन ने यह करतूत ऐसे समय में की है जब पहलगाम हमले और उसके जवाब में सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के चलते भारत-पाक के बीच तनाव कायम है। निश्चय ही इन स्थितियों में चीन का यह भड़काऊ कदम है। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय उपमहाद्वीप में हाल ही में हुई उथल-पुथल के दौरान पाकिस्तान को उसके सदाबहार दोस्त बीजिंग का भरपूर समर्थन मिला है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। भले ही वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा करता हो।

निस्संदेह, ऐसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। बीते वर्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने व्यंग्यात्मक लहजे में एक सवाल पूछा था, 'अगर आज मैं आपके घर का नाम बदल दूं तो क्या वो मेरा हो जाएगा?' लेकिन निर्विवाद रूप से चीन ने विदेश मंत्री के इस संदेश को नजरअंदाज ही किया है। इतना ही नहीं वह फिर से भौगोलिक क्षेत्रों के नामों के मनमाने मानकीकरण के साथ आगे बढ़ गया है। लेकिन सवाल इस करतूत के समय का है। जाहिर बात है कि बीजिंग ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। उस पाकिस्तान को, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कड़ी चेतावनी दी थी। प्रधानमंत्री ने सिर्फ और सिर्फ पाकिस्तान द्वारा कब्जाए कश्मीर पर ही बातचीत करने की बात कही थी। ऐसे में चीन ने अरुणाचल पर अपने क्षेत्रीय दावे से फिर से पाकिस्तान का मनोबल बढ़ाने का कुत्सित प्रयास किया।

दुनिया को समझना होगा, भारत का 'न्यू नॉर्मल'

» डॉ. आशीष वशिष्ठ
लेखक- राजनीतिक विश्लेषक और स्तंभकार

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा दिन राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान को स्पष्टतः चेता दिया कि अगर हमारे भारत की ओर आँख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन पीएम ने आदमपुर एयरबेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी।

पीएम ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे—तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी।

भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी—बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दया भावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू—इंदिरा के शासन में फली फूली, 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि पीएम मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। पीएम मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में हैं, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है।

ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने न केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरूद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा।

पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट भ्रष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था- आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुनः सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है।

मुद्दा

आपरेशन सिंदूर से नुकसान तो चीन को हुआ

» अशोक मधुप

भारत के चार दिवसीय आपरेशन सिंदूर को लेकर हुए युद्ध विराम की सबसे बड़ी बात यह है कि भारत और पाकिस्तान दोनों अपनी अपनी सफलता पर प्रसन्न है। दोनों जश्न मना रहे हैं, किंतु इस युद्ध से सबसे ज्यादा लाभ भारत को हुआ है, और सबसे ज्यादा नुकसान युद्ध से दूर खड़े होकर तमाशा देख रहे चीन को। भारत युद्ध में अपने शस्त्रों विशेषकर मिसाइलों की गुणवत्ता और सटीकता को पूरी दुनिया में साबित करने में कामयाब रहा। इससे भारत में बनी रक्षा प्रणालियों और हथियारों को लेकर माँग अब बढ़ेंगी। हालाकि चीन युद्ध में शामिल नहीं था किंतु पाकिस्तान उसके अस्त्रशस्त्रों के बल पर जंग के मैदान में था। चीन के बने उपकरण पहले ही अपनी निम्न क्वालिटी के लिए प्रसिद्ध थे। इस युद्ध में तो उनके निराशाजनक प्रदर्शन ने और चीन के सामान की शाख मिट्टी में मिला दी। चीन अब सफाई में भले ही यह कह रहा है कि उसके उपकरण सही हैं, पाकिस्तानी सैनिकों पर उन्हें चलाना नही आया। चीन अब कुछ भी सफाई ने किंतु कोई भी देश अब ये मानने को तैयार नहीं कि चीन के शस्त्र किसी काम के हैं। इस चार दिनी युद्ध में सबसे ज्यादा नुकसान चीन को हुआ। चीन अब कुछ भी तर्क दे, कोई भी दावा करे, अब कोई उसकी बात पर यकीन करने वाला नही है।

पाकिस्तान वर्तमान में चीन के बनाए हुए HQ-16 और HQ-9 एयर डिफेन्स सिस्टम का इस्तेमाल करता है। HQ-9 जहाँ 125 किलोमीटर तो HQ-16 लगभग 50 किलोमीटर की रेंज वाला एयर डिफेन्स सिस्टम है। पाकिस्तान के लिए चीन ने इसमें बदलाव किए, इसके बावजूद इसका कोई फायदा नहीं हुआ है। ये सिस्टम न तो भारत के द्रोण रोक सके और नहीं मिसाइल। यह एक भी भारतीय मिसाइल, ड्रोन या लोइटेरिंग म्युनिशन नहीं पकड़ पाए। भारत ने तो इन डिफेन्स सिस्टम को ही तबाह कर दिया। चीन ने पाकिस्तान को जेएफ17 लड़ाकू विमान भी बेचा। पाकिस्तान को इसका भी कोई लाभ न मिल सका। पाकिस्तान ने भारत पर हमले के लिए चीन में बने ड्रोन का भी इस्तेमाल किया था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ चीन के विंग लूँग और CH-II ड्रोन इस्तेमाल किए थे। इन्हें भी भारत ने सीमा पर ही मार गिराया है। इनमें से कोई भी ड्रोन भारत के किसी टार्गेट को हिट नहीं कर पाया। हम जानते हैं कि चीन भारत का प्राकृतिक शत्रु देश है। कितना भी कर लें वह भारत का मित्र नहीं हो सकता। वह पाकिस्तान का मित्र देश है और आज पाकिस्तान को शस्त्र देने वाला सबसे बड़ा आपूर्ति करता देश। इतना जानने के बावजूद हम भारतवासी सस्ते के चक्कर में चीन का बना सामान धड़ल्ले से खरीदते हैं। कभी चीन से विवाद के समय ही हमारी देशभक्ति जागती है, वह भी कुछ दिन के लिए और मात्र फेसबुक तक। यदि आधे भारतवासी ही एक साल के लिए चीन के बने सामान का बायकाट कर दें तो चीन घुटनों में आ जाए। कुछ साल के लिए कैलाश मानसरोवर यात्रा से मुंह मोड़कर देखिए। चीन रास्ते पर आ जाएगा।

लगभग 50 के आसपास अरब देश हैं किंतु दो अरब देश तुर्की और अज़रबैजान ही इस लड़ाई में पाकिस्तान के साथ पूरी ताकत के साथ खड़े नजर आए। इस लड़ाई में पाकिस्तान ने तुर्की में बने 40 से ज्यादा ड्रोण का इस्तमाल किया, हालाकि ये सभी रास्ते में मार दिए गए।

2024 में पर्यटन के लिए 2.75 लाख भारतीय तुर्की गए। 2024 में पर्यटन के लिए 2.5 लाख भारतीय अज़रबैजान के बाकू गए। 2022-2024 के दौरान अज़रबैजान में भारतीय पर्यटकों के आगमन में 68 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और अज़रबैजान में औसत प्रवास समय 4-6 दिन है। तुर्की में भारतीयों का औसत प्रवास 7-10 दिन है। कुल मिलाकर, भारतीय अज़रबैजान की अर्थव्यवस्था में सालाना 1,000-1,250 करोड़ रुपये का योगदान करते हैं।

पर्सनालिटी

राजनीति के नक्षत्र पर हमेशा 'धूमकेतु' की तरह चमकते रहे भैरोंसिंह शेखावत

देश के उपराष्ट्रपति और राजस्थान के पूर्व सीएम भैरोसिंह शेखावत का 15 मई को निधन हो गया था। वह राजनीति के दबंग नेता माने जाते थे। राजस्थान की सियासत के इतिहास की जब भी बात होती है, तो इसमें भैरोसिंह शेखावत का नाम जरूर शामिल रहता है।

उपराष्ट्रपति और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत का 15 मई को निधन हो गया था। भैरोसिंह शेखावत ने अपनी 60 सालों के राजनीतिक जीवन में सत्यनिष्ठा से काम किया था और समाज में कई अहम बदलाव किए थे। उन्होंने सती प्रकरण और भूमि उन्मूलन जैसे कई अहम मुद्दों पर साहसिक कदम उठाए थे। भैरोसिंह शेखावत ने पार्टी पॉलिटिक्स से उपर उठकर राजनीति की थी। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर भैरोसिंह शेखावत के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

जयपुर रियासत के गांव खाचरियावास जोकि अब सीकर के नाम से जाना जाता है, वहां पर 23 अक्तूबर 1923 को भैरोसिंह शेखावत का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम देवी सिंह शेखावत और मां का नाम बन्ने कंवर था। उन्होंने 30 किमी दूर जोबनेर से हाई स्कूल से शिक्षा प्राप्त की, जहां पर पढ़ाई के लिए उनको पैदल जाना पड़ता था। पिता के निधन के बाद परिवार को संभालने के लिए उन्होंने खेती करना शुरू किया। हालांकि उन्होंने पुलिस की नौकरी भी की, लेकिन मन नहीं लगने पर उन्होंने त्यागपत्र दे दिया और खेती करने लगे।

राजनीति में प्रवेश

साल 1952 में राजस्थान में विधानसभा की स्थापना हुई तो भैरोंसिंह ने भी अपना भाग्य आजमाया। साल 1952 से लेकर 1972 तक शेखावत राजस्थान विधानसभा के सदस्य रहे। वहीं साल 1974 से 1977 तक वह राज्यसभा सदस्य के तौर पर सेवाएं देते रहे। फिर साल 1977 से 2002 तक वह राजस्थान विधानसभा के सदस्य रहे। साथ ही 1977 में वह राजस्थान के मुख्यमंत्री भी बने और साल 1980 तक इस पद पर सेवाएं देते रहे।

बता दें कि साल 2002 में भैरोसिंह शेखावत सुशील कुमार शिंदे को हराकर देश के उपराष्ट्रपति बन गए। वहीं जुलाई 2007 में उन्होंने नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के समर्थन से निर्दलीय राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा, लेकिन इस दौरान उनको हार का सामना करना पड़ा और प्रतिभा पाटिल चुनाव जीतकर देश की अगली राष्ट्रपति बनीं। फिर 21 जुलाई 2007 को भैरोसिंह शेखावत ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया।

मृत्यु

स्वास्थ्य समस्याओं के आगे भैरोसिंह शेखावत के शरीर ने घुटने टेक दिए। वहीं 15 मई 2010 को इस लंबे जीवन सफर अंत हो गया।

आज का इतिहास

16 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1999 - दक्षेस का 2002 ई. में होने वाला शिखर सम्मेलन थिम्पू में कराये जाने की घोषणा।
2004 - रोजर फ़ेडेरर ने हेम्बर्ग मास्टर्स ख़िताब जीता।
2006 - हॉलीवुड की चर्चित अदाकारा ऑस्कर पुरस्कार के लिए नामित नाओमी वाट्स को संयुक्त राष्ट्र संस्था का राजदूत बनाया गया। न्यूजीलैंड के 47 वर्षीय मार्क इंजलिस ऐसे पहले पर्वतारोही बन गये, जिन्होंने कृत्रिम पैरों के सहारे एवरेस्ट की चोटी पर झण्डा फहराया।
2008 - उच्चतम न्यायालय ने केन्द्रीय शिक्षण संस्थानों के स्नाकोत्तर पाठ्यक्रमों में 27% ओबीसी कोटा पर रोक के कोलकाता उच्च न्यायालय के निर्णय को ख़ारिज कर दिया। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भूटान की दो दिवसीय यात्रा पर थिम्पु पहुँचे।
2010 - सुल्तान अजलान शाह कप हॉकी प्रतियोगिता में PTI पिछले विजेता भारत और दक्षिण कोरिया को बारिश के कारण मैच न होसकने पर संयुक्त विजेता घोषित किया गया।

16 मई को जन्मे व्यक्ति

1949 - चर्चिल अलेमाओ - गोवा के भूतपूर्व चौथे मुख्यमंत्री रहे हैं।
1948 - मंगलेश डबराल - हिन्दी की आधुनिक कविता के सम्मानीय और शीर्ष रचनाकारों में से एक हैं।
1957 - ए. नारायणस्वामी - भारतीय जनता पार्टी के जानेमाने राजनीतिज्ञ हैं।
1902 - करमशी जेठाभाई सोमैया - भारतीय शिक्षाविद थे।
1805 - सर अलेक्ज़ेंडर बर्न्स, वर्तमान पाकिस्तान, अफ़ग़ानिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उज़बेकिस्तान एवं ईरान में अभियानों के लिए प्रसिद्ध ब्रिटिश अन्वेषक एवं राजदूत थे।
1857 - आर.एन. माधोलकर - भारतीय राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने एक अवधि तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया
1933- गुलशेर ख़ाँ शानी- प्रसिद्ध साहित्यकार

16 मई को हुए निधन

2022 - कर्नल धर्मवीर सिंह - भारतीय सेना के जांबाज सैनिकों में से एक थे।
2021 - राजेंद्र सिंह जडेजा - दायें हाथ के बेहतरीन भारतीय तेज गेंदबाज थे।
2014 - रूसी मोदी - भारत के प्रसिद्ध उद्योगपति तथा टाटा समूह के शीर्ष सदस्य।

1945 - गोपाल चंद्र प्रहराज - उड़िया भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार तथा भाषाविद।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विद्युत समस्याओं को लेकर गरज़ी भाकियू शंकर

ग़जरौला के फाजलपुर बिजलीघर पर किया धरना-प्रदर्शन

» सब का सपना संवाददाता

गजरौला/अमरोहा: भाकियू शंकर ने ब्रहस्पतिवार को विधुत समस्याओं को लेकर ग़जरौला के फ़ाज़लपुर स्थित बिजलीघर पर धरना-प्रदर्शन करते हुए समस्याओं के निस्तारण की मांग की है। दोपहर 11.30 बजे से मुख्य अभियंता व अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण क्षेत्र गजरौला (अमरोहा) के कार्यालय पर महीपाल त्यागी की अध्यक्षता व हरि सिंह सैनी प्रधान जी के संचालन में धरना- प्रदर्शन शुरू किया गया। वहीं संगठन के पदाधिकारियों द्वारा असिस्टेंट इंजीनियर को एक मांग पत्र भी सौंपा गया।

इस दौरान पंचायत को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि विद्युत विभाग में संविदा कर्मी - लाइनमैन - टीजी 2 व जेई के द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं की एक छोटी सी वीडियो क्लिप बनाकर व उन्हें डरा धमकाकर उनसे अवैध वसूली कर रहे हैं , हमारा संगठन इसको कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

वहीं विद्युत मीटर में भी कोई तकनीकी फाल्ट आने के बाद वह जंपिंग कर रहे हैं, जिस उपभोक्ता का 400 रुपये का बिल आता था अब उसका 4 हजार हो जाता है और जिसका 4 हजार का बिल आता था अब उसका 24 हजार बिल हो जाता है, इस तरह के बिल का संशोधन कराने के लिए उपभोक्ता कार्यालय के चक्कर काटता रहता है। इसी तरह का हाल नए विधुत कनेक्शन लेने वालों का भी है, वैसे तो सब ऑनलाइन है परंतु उसमें इंक्वारी लगाकर 6-6 महीने तक कनेक्शन नहीं हो पाता है, किसानों को अप्रैल से जून मात्र चार महीने ही सिंचाई की अधिक आवश्यकता होती है।

कृषि फीडर पर विद्युत आपूर्ति दो-दो घंटे काटकर दी जा रही है जिससे फसलों की सिंचाई नहीं हो पा एमएम रही है, सभी किसानों को 10 घंटे आपूर्ति निर्बाध की जाए ।

सामान्य योजना में जिन किसानों ने नलकूप कनेक्शन कराए थे उनको विधुत सामग्री ना मिलने की वजह से उनकी फ़सलें बर्बाद हो रही हैं। बहुत सारे किसानों को सामग्री मिलने पर भी उनकी लाइन नहीं खींची गई है, ऐसे डिस्प्यूट मामलों में तत्परता के साथ लाइन खिंचवाई जाए। संगठन की मांग है कि सभी संविदा कर्मी मीटर रीडर टीजी 2 की नेम प्लेट लगी हो और उस पर उसका मोबाइल नंबर भी अंकित होना चाहिए, जिससे कोई फर्जी आदमी विभाग को बदनाम ना कर सके। इसी के साथ संगठन का विस्तार करते हुए राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चौधरी धर्मवीर सिंह ने अपने सभी साथियों के सहित हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी को तहसील अध्यक्ष धनोरा, मंजू चौधरी को महिला प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष धनोरा के अलावा कई अन्य लोगों को भी संगठन में जिम्मेदारी देते हुए शपथ दिलाई गई। इस दौरान इस कार्यक्रम में राहुल यादव,शेर सिंह राणा , रवि चौधरी, चौधरी धर्मवीर सिंह, राकेश रतनपुर, विक्रम पवार, जगत सिंह चौहान, खेमपाल सिंह, सत्येंद्र सिंह, राजवीर, नेमपाल सिंह, हरप्रीत सिंह, मंजू चौधरी, अशोक चौधरी, दिनेश, अखतब व नईम समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की मिशन 30 की समीक्षा

कहा बड़ी संख्या में कुपोषण की श्रेणी से बच्चे बाहर निकल कर सुपोषित हुए अब चलाया जाएगा मिशन 45

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में पोषण अभियान के अंतर्गत जिला पोषण समिति व मिशन 30 की समीक्षा की गई । जिलाधिकारी ने मिशन 30 के अंतर्गत गोद लिए ग्रामो के सभी नोडल अधिकारियों से एक एक करके कितने बच्चे पहले कुपोषित थे,कितने कुपोषण की श्रेणी से बाहर निकलें हैं और अब कितने शेष हैं जानकारी हासिल की।

जिलाधिकारी ने समीक्षा करते हुए कहा कि जो कुपोषित बच्चे हैं उसको उस श्रेणी से निकाल कर सुपोषित किया जाए । कहा कि ऐसे परिवारों को सरकार की किसी न किसी योजना से लाभान्वित करें। सभी अधिकारी मौके पर पहुँच उन परिवारों की काउंसलिंग करें माता पिता को स्वस्थ्य पोषण के सेवन के लिए प्रेरित करें। कहा यदि परिवार के कोई युवा बच्चे हैं तो मुख्यमंत्री युवा उद्मी योजना से जोड़ें। जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक खाद्यय पदार्थ हैं उनको प्रयोग न करने की परिवारों को सलाह दें । जिलाधिकारी ने कहा कि मिशन 30 की सफलता जनपद को मिली है और बड़ी संख्या में बच्चे कुपोषण की श्रेणी से बाहर हुए हैं स्वस्थ्य होकर सुपोषित हुए हैं । कहा कि अब मिशन 45 शुरू किया जाएगा उद्देश्य यही रहेगा और नोडल अधिकारियों को ईमानदारी से पूरी मेहनत कर बच्चों को कुपोषण की श्रेणी से निकालना होगा ग्राम पंचायत को पूरी तरह से कुपोषण मुक्त किया जाएगा । मिशन 45 के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को गोद देकर अलग अलग अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया जाएगा। समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जो आगनबाड़ी केंद्र और लर्निंग लैब निर्माणाधीन हैं उसको प्राथमिकता के साथ अधूरे कार्यों को पूर्ण कराएं। सभी आगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययन के लिए बुक अवश्य रहे जो किट दी गयी है वह केंद्र में उपलब्ध रहे और उसका प्रयोग करें, पैक ही न रखी रहे। अधिक से अधिक बच्चे आगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययन के लिए आएं इसके लिए सभी सीडीपीओ अभियान चलाएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र जिला विकास अधिकारी सरिता दुवेदी जिला कार्यक्रम अधिकार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

गजरौला के सचिन चौधरी को एक बार पुनः लोकदल पार्टी ने किया जिलाध्यक्ष मनोनीत

» सब का सपना संवाददाता

गजरौला: राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री जंयत चौधरी के आदेशानुसार और संगठन महामंत्री त्रिलोक त्यागी व प्रदेशाध्यक्ष रामाशीष राय की सहमति से क्षेत्रीय अध्यक्ष (रूहेलखंड क्षेत्र) रामवीर सिंह ने गजरौला के मोहल्ला टीचर्स कॉलोनी निवासी पार्टी के कर्मठ एवं अनुभवी कार्यकर्ता सचिन चौधरी को पुनः एक बार जनपद अमरोहा का जिलाध्यक्ष मनोनीत करके मनोयन पत्र सौंपा। बता दें कि सचिन चौधरी पूर्व में भी पार्टी में युवा जिलाध्यक्ष, युवा क्षेत्रीय अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, प्रदेश प्रवक्ता, प्रदेश सचिव जैसे प्रमुख पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके संगठनात्मक अनुभव, जनसंपर्क क्षमता और पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए नेतृत्व ने उन्हें पुनः यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। सचिन चौधरी ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जनसेवा की भावना से पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रतिवद्ध रहेंगे। वहीं सचिन चौधरी के जिलाध्यक्ष मनोनीत होने से समर्थकों में खुशी का माहौल है।

नगर में किया गया तिरंगा यात्रा का आयोजन

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: नगर में भारत के सशस्त्र बलों के शौर्य और साहस का सम्मान करते हुए एक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा के मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक डॉ हरि सिंह ढिल्लों एवं क्षेत्रीय महामंत्री पश्चिम उ0प्र0 हरिओम शर्मा ने तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया।

यह यात्रा अमरोहा नगर पालिका टाउनहॉल से प्रारंभ होकर,बाजार कोट से मेन बाजार होते हुए,हिंदू डिग्री कॉलेज पर संपन्न हुई । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भाजपा उदय गिरी गोस्वामी,नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन, नि0 जिला अध्यक्ष डॉ ऋषिपाल नागर ,अमरोहा ब्लॉक प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों, राम सिंह सैनी, पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी, जिला महामंत्री पूरन सिंह सैनी, राकेश वर्मा, चंद्रभान भाटी, जिला उपाध्यक्ष भूप सिंह बैनीवाल, अतुल चौधरी, मयंक अग्रवाल, कृष्ण कुमार, युद्धवीर सिंह,जिला मीडिया प्रभारी रमेश कलाल, जिला सह मीडिया प्रभारी विकास बाबू प्रजापति एडवोकेट, तिलक राज चौहान, अमरोहा मंडल अध्यक्ष अमित सैनी, डॉ हरज्ञान सिंह प्रजापति, विनीता सैनी, सुधांशु विश्नोई, मनोज वर्मा, पवन शर्मा, हिमांशु त्यागी, सीमा रायजादा, अनुज औलख, विनोद गोला, मुकेश सक्सैना, अमित पाल, आकाश रस्तोगी, पंकज गोले प्रजापति, हिम कुमार सक्सैना, उषा शर्मा, पिंकी रानी वर्मा, रोहित जैन सेठी, अभिनव मरदान, विशाल वेद, के अलावा भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की आइजीआरएस पोर्टल की समीक्षा

सम्बन्धित विभागीय अधिकारी पर नाराजगी जताकर लगाई कड़ी फटकार

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा आइजीआरएस पोर्टल में लंबित संदर्भो व शिकायत कर्ता की शिकायत के निस्तारण में गुणवत्ता पूर्ण आख्या अपलोड किये जाने, फीडबैक लिए जाने मौके पर जाकर शिकायत की जाँच किए जाने सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विभाग वार समीक्षा की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला अल्प कल्याण अधिकारी अधिशासी अभियंता विद्युत पी डब्लू डी के अधिकारियों द्वारा अपलोड की गई आख्या से असंतुष्ट जिलाधिकारी में नाराजगी व्यक्त कर कड़ी फटकार लगाई ।

जिलाधिकारी ने अपलोड की गई शिकायतों के निस्तारण आख्या को पढ़कर सुनाया । कहा शिकायतों के निस्तारण में आश्वासन और भविष्य में कार्य किए जाने संबंधित कोई आख्या नहीं लगाई जाए। कहा कि अधिकतर आख्या जो लगाई गई है वह गुणवत्ता पूर्ण नहीं है विभागीय अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर शिकायतकर्ता से बातचीत कर गुणवत्तापूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे । जिलाधिकारी ने कहा आईजीआरएस के शासनादेश को सभी अधिकारी भलीभांति पढ़ लें यह सरकार की प्राथमिकता में है । कहा कि कम से कम दश शिकायत करता से फीडबैक लिया जाए यदि शिकायत करता निस्तारण से संतुष्ट नहीं है तो निस्तारण नहीं माना जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाए कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि अवश्य होनी चाहिए।

कहा विभागीय अधिकारी शिकायतकर्ता से स्वयं संपर्क करें । जिलाधिकारी ने कहा की कंप्यूटर ऑपरेटर और बाबू के भरोसे ना रहे विभागीय अधिकारी स्वयं रुचि लेकर आइजीआरएस के कार्य को देखें। कहा कि कोई भी संदर्भ डिफाल्टर होने से पहले ही निस्तारण हो जाए इसमें कोई भी लापरवाही ना हो। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व बृजेश त्रिपाठी परियोजना निदेशक अमरेन्द्र प्रताप जिला विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पंजाब नेशनल बैंक मे अधिकारी करते मनमर्जी, ग्राहकों पर नहीं देते ध्यान

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: पंजाब नेशनल बैंक में अधिकारी अपनी मनमर्जी करते हुए और ग्राहकों को सुविधाओ से दूर रखकर फ़ोन पर बात करने में लगे रहते हैं। जिसकी वजह से बैंक परिसर में भीड़ भाड़ की स्थिति बनी रहती है। उत्तर प्रदेश के जनपद अमरोहा के त्रिवेणी शुगर मिल चंदनपुर में पंजाब नेशनल बैंक स्थित है। जिसमे किसानो, और व्यापारियों के काफ़ी संख्या में शेविंग अकाउंट और करंट अकाउंट है। लेकिन बैंक के अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्यों में व्यस्त रहकर जनता का शोषण करने में लगे हुए हैं। बृहस्पतिवार को पंजाब नेशनल बैंक में एक करंट अकाउंट के ग्राहक पहुंचे थे जिनका करंट अकाउंट पीएनबी शाखा चंदनपुर में है। उन्होंने जाकर अपनी समस्या बैंक के मैनेजर को बताई लेकिन बैंक मैनेजर ने उन्हें यह कहते हुए टाल दिया कि मैं अभी व्यस्त हूं। मैं आपको अभी कुछ भी नहीं बता सकता। वही करंट अकाउंट संचालक ने पूछा कि आप मात्र 2 मिनट तो दे ही सकते हैं लेकिन बैंक मैनेजर ने यह कहते हुए साफ मना कर दिया कि वह अपने काम में व्यस्त है और आप किसी दूसरे से वार्ता कर सकते हैं। जब करंट अकाउंट संचालक ने अन्य कर्मचारियों से संपर्क साधने का प्रयास किया तो किसी ने भी उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। जिसकी वजह से ग्राहक को केवल निराशा हाथ लगी। यदि पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों का यही रवैया ग्राहकों के साथ रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा जब पंजाब नेशनल बैंक डूबने की कगार पर पहुंच जाएगा। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि आखिर पंजाब नेशनल बैंक में उच्च स्तर के अधिकारी कर क्या रहे हैं? क्या वह बैंक कर्मचारी और अधिकारियों को ग्राहकों के साथ डील करने का तरीका नहीं बताते? ऐसे अनेकों सवाल मन में आते हैं लेकिन एक बात तो साफ है कि वह दिन दूर नहीं जब ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों की वजह से बैंक को घर-घर जाकर भी ग्राहक नहीं मिलेंगे।

मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायत अधिकारियों के साथ कि समीक्षा बैठक

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: जनपद के विकास भवन सभागार में सभी ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी और एपीओ व पंचायत सचिवों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने बताया कि जनपद में 6 ब्लॉक हैं। मनरेगा के रूके हुए कार्यों को 54 ग्राम पंचायत हैं। जिनमें विकास कार्य नहीं किया गया है। इसी के साथ उन्होंने बरसात के मौसम को लेकर सभी खंड विकास अधिकारीयो को निर्देश दिए कि सभी खंड विकास अधिकारी पंचायत सचिव व रोजगार सेवक अपने-अपने क्षेत्र में बारिश के समय से पूर्व ग्राम पंचायतों में कच्चे रास्ते नदियों ओर नालो का कार्य लगभग 2 दिन में शुरू किया जाए। इसी के साथ मुख्य विकास अधिकारी ने विकासखंड मंडी धनौरा मैं विकास कार्यों को तेजी से गति देने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने की बेसिक शिक्षा कार्यक्रमों की समीक्षा

» सब का सपना संवाददाता

अमरोहा: जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कायाकल्प बच्चों का नामांकन मिड डे मील निपुण विद्यालय सहित अन्य कार्यों की जानकारी ली। पी एम श्री विद्यालयों की जिलाधिकारी ने जानकारी ली और मॉडल बनाएं जाने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए । जिलाधिकारी ने कहा कि समर कैम्प के अंतर्गत अलग अलग दिनों व समय में क्या क्या एक्टिविटी की जाएगी प्लान बना लें। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग की टेंडर प्रक्रिया पर असन्तोष व्यक्त किया और समय से अपलोड न किए जाने और फाईनल होने में बिलंब किये जाने पर लापरवाही बताते हुए जिम्मेदारी फ़िक्श किये जाने के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि कस्तूरबा के बच्चों में नैतिक विकास खेल कूद संगीत संस्कार डेवलप के लिए अलग अलग एक्टिविटी के लिए टाइम टेबल बनाए जाय। जिलाधिकारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को कस्तूरबा विद्यालयों के चेक किये जाने की समीक्षा किया। जिला अधिकारी ने कहा कि विद्यालयों को निपुण बनाया जाए जो अध्यापक विद्यालय नहीं आ रहे हैं उनकी मॉनिटरिंग किया जाए ARP को ट्रेंड करें वह अपने तैनाती विद्यालयों का भी ध्यान रखकर शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारें। जिलाधिकारी ने कहा कि कायाकल्प के तहत सभी पैरामीटर में कार्य हो जाए इसका प्रमाण पत्र जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रस्तुत करें । जिलाधिकारी ने काया कल्प के सभी पैरामीटर में शतप्रतिशत संतृप्ति करण कराए जाने के निर्देश दिए। पुनर्निर्माण का जो कार्य विद्यालयों का कराया जा रहा है उसमें कोई लापरवाही न हो गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र जिला विकास अधिकारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

कश्मीर पर भारत कभी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता क्यों नहीं स्वीकार करेगा : विपिन सागर

सब का सपना संवाददाता

कश्मीर मुद्दे पर भारत की स्थिति हमेशा स्पष्ट रही है: यह भारत और पाकिस्तान के बीच एक द्विपक्षीय मामला है, और कोई भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी।

यह रुख कोई हालिया रणनीति नहीं, बल्कि भारत की कूटनीतिक और रणनीतिक संस्कृति में गहराई से निहित है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक बार फिर कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता की पेशकश के बाद – इस बार अपने ट्रुथ सोशल मंच पर – भारत की इस दृढ़ स्थिति को पुनः दोहराना आवश्यक हो गया है, विशेषकर ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के आलोक में, जो क्षेत्र पर भारत की संप्रभुता को और पुष्ट करते हैं।

ट्रंप की मध्यस्थता का प्रस्ताव

डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ट्रुथ सोशल पर कहा कि वह भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ काम करने को तैयार हैं ताकि हजार वर्षों बाद भी कश्मीर मुद्दे का समाधान निकाला जा सके। यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने ऐसा कहा हो। 2019 में, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के दौरान तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात के बाद भी यही पेशकश की थी।

भारत ने उस समय भी तुरंत और स्पष्ट प्रतिक्रिया दी

विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा: "हमने राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणियों को देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऐसी कोई मांग नहीं की गई है। भारत की हमेशा से यह स्पष्ट स्थिति रही है कि पाकिस्तान के साथ सभी लंबित मुद्दों पर केवल द्विपक्षीय रूप से बातचीत की जाएगी।"

यह प्रतिक्रिया सिर्फ औपचारिक नहीं थी, बल्कि यह दर्शाती है कि कश्मीर भारत का आंतरिक मामला है और तीसरे पक्ष की मध्यस्थता पूरी तरह अस्वीकार्य है।

भारत की स्थिति का ऐतिहासिक संदर्भ

कश्मीर विवाद की शुरुआत 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद हुई। जम्मू-कश्मीर रियासत के शासक महाराजा हरि सिंह ने शुरुआत में स्वतंत्र रहने का निर्णय लिया। लेकिन पाकिस्तान समर्थित कबायली हमले के बाद, महाराजा ने 26 अक्टूबर 1947 को भारत में विलय के दस्तावेज (इंस्ट्रूमेंट ऑफ एक्सेशन) पर हस्ताक्षर किए।

इसके बाद भारत ने जनवरी 1948 में यह मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में उठाया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कुछ प्रस्ताव पारित हुए, जिनमें युद्धविराम और जनमत संग्रह की बात की गई, लेकिन यह सशर्त था कि पहले पाकिस्तान अपने सैनिकों को वापस बुलाए – जो कभी नहीं हुआ। इस कारण भारत के अनुसार ये प्रस्ताव अब अप्रासंगिक हो चुके हैं।

भारत क्यों खारिज करता है तीसरे पक्ष की मध्यस्थता?

भारत का यह रुख चार मुख्य स्तंभों पर आधारित है:

1. संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता

भारत कश्मीर को अपने संप्रभु क्षेत्र का

अभिन्न हिस्सा मानता है। किसी भी तीसरे पक्ष की भागीदारी संप्रभुता पर सीधा हमला मानी जाती है।

2. द्विपक्षीय समझौते

शिमला समझौता और लाहौर घोषणा-पत्र स्पष्ट रूप से दोनों देशों को द्विपक्षीय वार्ता के लिए प्रतिबद्ध करते हैं।

3. राजनयिक परंपरा

जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरेंद्र मोदी तक, भारत के सभी प्रधानमंत्रियों ने कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण का विरोध किया है – चाहे वह कारगिल युद्ध हो या 2001 का संसद हमला।

4. संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों की अप्रासंगिकता

ऑपरेशन सिंदूर: संप्रभुता की पुनः पुष्टि

ऑपरेशन सिंदूर, जो जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा और आतंकवाद-रोधी रणनीति का हिस्सा है, भारत के इस रुख को और मजबूत करता है कि कश्मीर विवादित क्षेत्र नहीं, बल्कि भारत का अभिन्न हिस्सा है।

ऐसे अभियानों के आलोक में, किसी भी बाहरी हस्तक्षेप की कोशिश को न केवल भारत की कूटनीतिक नीति के विरुद्ध बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में देखा जाता है। भारत का यह रवैया दर्शाता है कि वह अपने आंतरिक मामलों में विदेशी दखल को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करेगा।

कानूनी और रणनीतिक आधार

अंतर्राष्ट्रीय कानून में भारत का रुख मजबूत है। समझौतों का पालन किया जाना चाहिए – इस बात को मान्यता देता है कि शिमला समझौता पहले के संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों से ऊपर है। वियना संधि संधियों पर सम्मेलन के अनुसार, द्विपक्षीय संधियाँ जब तक दोनों पक्षों द्वारा रद्द न की जाएँ, वैध मानी जाती हैं।

रणनीतिक रूप से, मध्यस्थता अक्सर समझौतों और रियायतों के दबाव के साथ आती है। खासकर मोदी सरकार के तहत भारत किसी भी प्रकार का समझौता करने को तैयार नहीं है जो उसके क्षेत्रीय अखंडता के विरुद्ध हो। तीसरे पक्ष को शामिल करने से पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय सहानुभूति प्राप्त करने का अवसर मिल सकता है, जो भारत की कूटनीतिक स्थिति को कमजोर कर देगा।

इस निर्णय और ट्रंप की मध्यस्थता की पेशकश के विरोध ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत की नीति न केवल संवैधानिक रूप से वैध है, बल्कि राष्ट्रहित में है।

द्विपक्षीयता ही एकमात्र रास्ता

भारत की यह अटल नीति कि कश्मीर मुद्दा केवल भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय रूप से सुलझाया जाएगा –

कोई नई बात नहीं, बल्कि संप्रभुता और राष्ट्रीय गर्व की घोषणा है। डोनाल्ड ट्रंप हों या कोई अन्य अंतर्राष्ट्रीय शक्ति, भारत की स्थिति स्पष्ट और अडिग है: कोई मध्यस्थता नहीं।

संक्षिप्त समाचार

दहेज की मांग करने पर पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस जुटी जांच में

सब का सपना संवाददाता

कुंदरकी। क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने पति एवं ससुरालयों पर दहेज के लिए उत्पीड़न करने एवं पति के द्वारा दोस्तों के साथ संबंध बनाने का विरोध करने पर मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत के आधार पर ससुराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू कर दी है।कुंदरकी थाना क्षेत्र की रहने वाला एक महिला ने पुलिस को दिए शिकायत पत्र में आरोप लगाते हुए कहा कि उसकी शादी लगभग 5 साल पहले नासिर निवासी इब्राहीम पुर के साथ हुई थी। शादी के बाद से पति और सुसरालियो के द्वारा महिला को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था।महिला का आरोप है कि शादी के बाद उसका देवर सुभान बुरी नजर रखता था।वही महिला ने पति पर अपने दोस्तों के साथ जबरन सम्बंध बनाने का दबाब बना रहा था।महिला के विरोध करने पर पति उसके साथ मारपीट कर रहा है। महिला ने घटना की शिकायत पुलिस से की थी। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर पति नासिर, सास बसीरन,जेठ अय्यूब,गुलशन,साबिर के खिलाफ केस दर्ज किया है।

आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सब का सपना संवाददाता

मूंढापांडे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक एवं भड़काऊ पोस्ट करने वाले आरोपी को थाना मुंडापांडे पुलिस ने किया गिरफ्तार, पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देश विरोधी एवं आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने वालों व्यक्तियों पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक नगर मुरादाबाद के निर्देशन एवं क्षेत्र अधिकारी हाईवे के पर्यवेक्षण में बृहस्पतिवार को थाना मुंडापांडे पुलिस द्वारा आरोपी मोहसिन पुत्र आबिद हुसैन निवासी ग्राम सैजना थाना मुंडापांडे जनपद मुरादाबाद के द्वारा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से पाकिस्तान जिंदाबाद का कमेंट करने पर राष्ट्रीय की एकता अखंडता एवं शांति व्यवस्था को भंग करने वाले आपत्तिजनक एवं भड़काऊ पोस्ट करने वाले आरोपीय को गिरफ्तार किया गया।

जिलाधिकारी ने की हापुड़ के सभी वार्ड सभासदों के साथ बैठक

बाबर अली/सब का सपना

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद सभागार में हापुड़ के सभी वार्ड सभासदों के साथ बैठक की। उन्होंने सभासदों से उनके क्षेत्र के अंतर्गत नाली व पानी की जो भी समस्या है उसको दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन वार्डों में नाली नहीं बनी है उनका जल्द से जल्द निर्माण कराया जाए एवं वार्डों में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। जिलाधिकारी ने सभासदों से कहा कि जिन मोहल्लो में पानी की समस्या है उसको 15 दिन के अंदर ठीक कराना सुनिश्चित करें तथा सभी ट्यूबवेल को ठीक करा कर उनका सूचकांक भी करना सुनिश्चित करें।

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा देवी, अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार, उप जिलाधिकारी सदर ईला प्रकाश, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद हापुड़ सहित संबंधित अधिकारी एवं वार्डो के सभासद उपस्थित रहे।

विवादित टिप्पणी पर भड़के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

कांठ तहसील परिसर में देश नारी सेना का अपमान बर्दाश्त नही : जिलाध्यक्ष

- देश का गौरव महिला सैन्य अधिकारी के खिलाफ भाजपा मंत्री द्वारा अशोभनीय एवं अमर्यादित टिप्पणी करने के खिलाफ महानगर कांग्रेस कमेटी ने कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया

सब का सपना संवाददाता

कांठ। बृहस्पतिवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष विनोद गुम्बर के नेतृत्व में मध्य प्रदेश भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा हमारे देश की बेटी एवं भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी जी के बारे में अमर्यादित एवं अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांठ पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही कर्नल सोफिया कुरैशी के समर्थन में महानगर कांग्रेस कमेटी कलेक्ट्रेट कार्य पर जोरदार धरना प्रदर्शन किया।

जिला कांग्रेस कमेटी मुरादाबाद के जिला अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि विजय शाह द्वारा देश की बेटी का यह अपमान देश नारी सेना का अपमान है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय पूर्व मन्त्री के निर्देश पर बृहस्पतिवार को ज़िला कांग्रेस कमेटी द्वारा कांठ तहसील परिसर में देश नारी सेना का अपमान किए जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान जिला कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष विनोद गुम्बर,दानिश सैफी,सहित पार्टी के सम्मानित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

द आर्यंस के बच्चों ने पूल पार्टी में जमकर मस्ती की

सब का सपना संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के अग्रणी शिक्षण संस्थान द आर्यंस जोया में आज दिनांक 15 मई 2025 को पूल पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें किंडर गार्टन अनुभाग से नर्सरी कक्षा के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग करते हुए स्वीमिंग में ढ़ोल जगी रोदा एवं पानी वाला डांस जैसे गानों पर नृत्य करते हुए जमकर मस्ती की व धमाल मचाया। साथ ही साथ रंगीन छाते व चश्मे लगाकर रेन डांस का भरपूर आनंद लिया। बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया तथा उन्हें स्नैक्स आदि भी वितरित किए गए। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह व निदेशक अमन लिट्ट ने बच्चों के साथ इन क्षणों का भरपूर आनंद लिया और उन्होंने तैराकी को बच्चों के लिए एक ऐसा योगाभ्यास बताया जिससे बच्चे ऊर्जावान रहते हैं। विद्यालय प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह तथा अनिल कुमार सिंह ने आज के वातावरण में स्वस्थ रहने व मनोरंजन के लिए आवश्यक क्रिया बताते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम के संचालन में चांदनी बत्रा, शालिनी शर्मा, रुकैया, साक्षी व शिवानी सिद्धू ने सहयोग किया।

इस अवसर पर चांदनी बत्रा, शगुफ्ता हामिद, प्रगति टंडन, विनीत कुमार शर्मा, सरिता, सुचित्रा, संतोष कुमार, अखिल गिरि, रिया, कुमुद, प्रेरिता, अनिल कुमार, फुरकान सैफी, शिबा मॉरिस, सचिन शर्मा, सोनू, शिवानी सरोहा, सुनीता चौधरी, रुकैया, ममता, कल्पना, अजीत सिंह, रुचि सिंह, सचिन कुमार यादव, शिवम कुमार, बलजिंदर कौर, शालिनी भारद्वाज, रोहित कुमार, जागृति कौशिक, सुमित चौधरी, खुशबू चौधरी, प्रियंका देवी, प्रतीक कुमार, अभिषेक सुमन, रमनबाला, शीतल यादव, शैलजा चौधरी, तृप्ति भटनागर, आकाश शर्मा, आशीष दलवी, रूपाली शर्मा, विपिन कुमार, मोनिका, पूजा, नेहा गुप्ता, धीरज महलवार, अदिति, अनुज, स्वाती भार्गव, सिखा आनंद, सुमित कुमार, हरि नमन, राशि, अश्विनी, नागेंद्र पाल, नाहिद नकवी, शिवानी गुप्ता, नीतू राज, अंजना, शालिनी वर्मा, स्वाति चौधरी, रचना, सावन, हुमा बेबी आदि उपस्थित रहे।

फरियादियों की समस्याएं सुनकर दिए आवश्यक निर्देश

सब का सपना संवाददाता

मुरादाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल मुरादाबाद द्वारा बृहस्पतिवार को जनसुनवाई में आये फरियादियों की समस्याएं,शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद द्वारा सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि जनसुनवाई,महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित,शिकायतकर्ता को अनावश्यक रुप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो साथ ही सभी थाना प्रभारियों को यह भी निर्देश दिये गये कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है। उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें।

राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने व्यापारियों की समस्या को लेकर की समीक्षा बैठक, दिए जरूरी दिशा निर्देश

सब का सपना संवाददाता

अमरोहा। जनपद अमरोहा के वाणिज्य कर विभाग कार्यालय पर में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य कर विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन। इस दौरान समीक्षा बैठक में जनपद अमरोहा के समस्त व्यापारियों संगठनों के लोगों से व्यापार को लेकर उनकी समस्याओं के बारे में चर्चाएं की गई। इस अवसर पर मुरादाबाद के अपर आयुक्त राज्य कर अधिकारी आर एस द्विवेदी ने जिले में तैनात सभी अधिकारियों को उनके व्यापारियों के उनके रिटर्न फाइल कराने व्यापार में आ रही जीएसटी से संबंधित समस्याओं को हल करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान आर एस द्विवेदी ने व्यापारियों से अनुरोध किया है कि सभी व्यापारी रिटर्न से फाइल करें और शून्य कर देने वाले व्यापारी अपनी बिक्री के अनुसार कर जमा करें। और राज्य के आर्थिक विकास में सहभागी बने। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा है कि विभाग में अधिकारियों और व्यापारियों के बीच दूरी न रहे और आपस में संवाद रखते हुए समस्याओं का समाधान करने पर जोर दिया जाए। मुरादाबाद के अपर आयुक्त आर ए सेठ अवगत कराया है कि जीएसटी चोरी कर रहे व्यापारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए ईमानदारी एवं समय से टैक्स जमा करने वाले व्यापारियों को प्रोत्साहित किया जाए।

बैठक में व्यापारी वर्ग से इब्राहिम मंसूरी, जिला व्यापार मंडल अध्यक्ष संगठन अमित मोहन गोयल, अनवर सालीम, सौरव जैन, कमल कपूर, बब्बू मंसूरी राष्ट्रीय अध्यक्ष, मंसूरी समाज रियाजुद्दीन मंसूरी जिला अध्यक्ष कॉटन वेस्ट अमरोहा, गुड्डू मंसूरी, महामंत्री कॉटन वेस्ट हाजी नासिर, हाजी कामिल, आदिल आजम, सुहेल अधिवक्ता, अशरफ परवेज अली उर्फ टीटू अध्यक्ष हैंडलूम संगठन अनिल जैन, साथ ही व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान अधिकारी वर्ग से महेश चंद्र उपायुक्त प्रशासन, राजेश कुमार मौर्य उपायुक्त, आलोक श्रीवास्तव उपायुक्त अमरोहा, रंजीत रमन सहायक आयुक्त, प्रज्ञा शर्मा सहायक आयुक्त आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर विधायक रामवीर ठाकुर के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

सब का सपना संवाददाता

मूंढापांडे। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी के बाद भारतीय सेना के पराक्रम के सम्मान में भाजपा ने कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह के नेतृत्व में गुरुवार सुबह कुंदरकी विधानसभा के दलपतपुर एवं मुंडापांडेय मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा ग्राम सिरसखेड़ा से प्रारंभ होकर ग्राम हसनैनपुर और नियामतपुर इक्रोटिया होते हुए मुंडापांडेय में जाकर समाप्त हुई। इस मौके पर देशभक्ति गीत का वादन किया गया, जिसने तिरंगा लेकर चल रहे लोगों में जोश भर दिया और वे भारत माता की जय के नारे लगाने लगे।विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने कहा, भारत ने हमेशा शांति का उपदेश दिया है। हमारी सेना ने केवल उन जगहों पर सटीक हमला किया है, जहां आतंकवादी मौजूद थे। में सैनिकों और वैज्ञानिकों को धन्यवाद देता हूं। यह इतिहास रहा है कि जब भी कोई हमला हुआ है, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जवाबी कार्रवाई की गई है। में ऑपरेशन सिन्दूर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सशस्त्र बलों को बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में, हमारी सेनाओं ने आतंकवाद के विरुद्ध जिस दृढ़ता, समर्पण और पराक्रम का परिचय दिया है, उसने संपूर्ण विश्व को यह संदेश दे दिया है कि भारत अब मौन नहीं है भारत मुँहतोड़ जवाब देता है। इस ऐतिहासिक यात्रा में सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर देशभक्ति के इस संकल्प को और भी दृढ़ किया। यात्रा में ब्लॉक प्रमुख डॉ नवदीप यादव, मंडल अध्यक्ष महेंद्र सैनी, नीरज चंद्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक प्रजापति, ग्राम प्रधान नाजरपुर भूपेंद्र यादव, ग्राम प्रधान मुंडापांडेय राघव, सोमिल ठाकुर, जय सिंह, गौरव ठाकुर, रोहित सिंह, इंद्रपाल सिंह, विपिन कुमार, रवि कुमार, रविन्द्र पाल सिंह, रोहित सिंह, मनोज, खेमपाल सिंह, योगेश तोमर, अशोक चंद्रा जी सहित सैकड़ो क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन का आदेश कोई मायने नहीं रखता करनैलगंज के बेलगाम खनन माफियाओं के लिए

जेसीबी और डंपरों से दिनदहाड़े धरती का सीना कर रहे छलनी, लूट रहे भू संपदा

सब का सपना संवाददाता

गोंडा । एक ओर जिलाधिकारी द्वारा अवैध खनन पर सख्त निर्देश जारी किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर करनैलगंज क्षेत्र में इन आदेशों की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं। क्षेत्र के ग्राम सोनवारा, दत्तनगर, नगवाकला, कादीपुर, पहाड़ापुर, चौरी समेत अनेक गांवों में जेसीबी और भारी डंपरों के माध्यम से दिन-रात धड़ल्ले से अवैध मिट्टी खनन जारी है।

शासन-प्रशासन की तमाम कोशिशों और निर्देशों के बावजूद खनन माफिया के हौंसले इतने बुलंद हैं कि वे किसी भी कार्रवाई की परवाह किए बिना धरती की छाती चीरने में लगे हैं। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक, इस अवैध कारोबार को स्थानीय पुलिस, राजस्व विभाग और खनन विभाग के कुछ अधिकारियों व कर्मचारियों का खुला संरक्षण प्राप्त है। यही कारण है कि प्रशासनिक चेतावनियाँ और डीएम के सख्त आदेश भी इस काले धंधे पर अंकुश लगाने में असफल साबित हो रहे हैं।

खनन माफिया के आगे नतमस्तक होता प्रशासन

खनन माफिया इतने ताकतवर हो चुके हैं कि वे किसी भी अधिकारी या कार्रवाई से नहीं डरते। सूत्रों का कहना है कि अवैध खनन करने वालों को स्थानीय स्तर पर पूरी जानकारी पहले से उपलब्ध होती है कि कब और कहां कोई कार्रवाई की जा सकती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि अंदरखाने कहीं न कहीं बड़ी मिलीभगत का खेल चल रहा है।

स्थानीय निवासियों में रोष, पर्यावरण पर संकट

स्थानीय ग्रामीणों का कहना

है कि इस अवैध खनन के चलते खेतों की उर्वरता पर असर पड़ रहा है, साथ ही गांवों की संपर्क सड़कों पर डंपरों की आवाजाही से बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे आमजन का आना-जाना भी मुश्किल हो गया है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह रास्ते खतरे से खाली नहीं हैं।

प्रशासन को सब पता, फिर भी कार्रवाई क्यों नहीं?

यह सवाल अब आम जनता के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों के मन में भी उठ रहा है कि जब खनन की गतिविधियां इतने खुलेआम हो रही हैं, तो फिर संबंधित विभाग और वरिष्ठ अधिकारी चुप क्यों हैं? यदि जिला प्रशासन और खनन विभाग चाहें तो यह कार्य एक दिन में बंद कराया जा सकता है, लेकिन ऐसा न होना संदेह को और गहरा करता है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए क्षेत्रीय जनता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डीजीपी उत्तर प्रदेश, जिलाधिकारी गोंडा व पुलिस प्रशासन से अविलंब हस्तक्षेप की मांग की है। लोगों की मांग है कि दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए इस अवैध खनन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए। यदि यही स्थिति बनी रही, तो आने वाले समय में यह पर्यावरणीय संकट और ग्रामीण जीवन के लिए एक गंभीर चुनौती बन सकता है।

लखनऊ में भीषण बस हादसा आग लगने से 5 की मौत, कई घायल

सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पीजीआई कल्ली के पास किसान पथ पर एक स्पीलर बस में अचानक भीषण आग लग गई। हादसे में 5 लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। आग की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

यह बस बिहार से दिल्ली जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस में आग लगने के बाद भी वह कुछ दूरी तक जलती हुई दौड़ती रही। मुख्य गेट पर आग लगने के कारण वह जाम हो गया, जिससे कई यात्री बाहर नहीं निकल सके। ड्राइवर और कंडक्टर ने बस की खिड़कियां तोड़कर बाहर निकाला, जबकि कुछ यात्री पीछे के दरवाजे या खिड़कियों से निकलकर जान बचाने में सफल रहे। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

मुख्यमंत्री ने लगने से हुए हादसे का लिया संज्ञान

इस दर्दनाक हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए जिला प्रशासन को घायलों को तत्काल इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

संक्षिप्त समाचार

ओडीओपी प्रशिक्षण के लिए आवेदन 25 मई तक

गोण्डा ।जनपद गोंडा के इच्छुक पारस्परिक कारीगर एवं उद्यमी जनपद में चिन्हित ओडीओपी उत्पाद खाद्य प्रसंस्करण दाल मक्का एवं खाद्य प्रसंस्करण में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु उद्यम विभाग की वेबसाइट डीआईयूपीएमएसएमई डाट यूपीएसडीसी डाट जीओवी डाट आईएन पर 25 मई तक अपना आवेदन कर सकते हैं।
एक जनपद एक उत्पाद कार्यक्रम के अंतर्गत दक्षता, कौशल विकास, उद्यमिता विकास प्रशिक्षण एवं टूलकिट वितरण योजना के अंतर्गत जनपद गोंडा में चिन्हित ओडीओपी उत्पाद खाद्य प्रसंस्करण दाल मक्का हेतु 400 लाभार्थियों को लाभान्वित कराये जाने का लक्ष्य शासन द्वारा दिया गया है
उपायुक्त उद्योग गोण्डा ने बताया कि इस अभियान के तहत जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों उद्यमियों को 10 दिवसीय निःशुल्क उचित प्रशिक्षण एवं आधुनिक टूलकिट उपलब्ध कराया जाएगा। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक की शैक्षिक योग्यता आवश्यक नहीं है। पात्र लाभार्थियों को ओडीओपी वित्त पोषण योजना में बैंकों के माध्यम से अनुदान युक्त ऋण भी उपलब्ध कराया जाएगा।

कस्तूरबा विद्यालय नवाबगंज में दीवार गिरने की घटना पर दो सदस्यीय जांच समिति गठित

गोंडा। गत 14 मई की रात्रि में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, नवाबगंज में दीवार गिरने की घटना को जिलाधिकारी नेहा शर्मा द्वारा गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच समिति का गठन किया गया है। समिति में उप जिलाधिकारी तरबगंज राजीव मोहन सक्सेना एवं अधिशासी अभियंता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, गोंडा को नामित किया गया है। समिति को सम्यक् जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। हैण्डवाश यूनिट की निर्माण गुणवत्ता की भी तकनीकी जांच की जाएगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को समस्त निर्माण अभिलेख समिति को उपलब्ध कराने तथा जनपद के सभी परिषदीय व आवासीय विद्यालयों के भवनों की स्ट्रक्चरल जांच कर जर्जर संरचनाओं का प्रयोग तत्काल रोकने के निर्देश दिए गए हैं।
जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि छात्राओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की लापरवाही को क्षम्य नहीं किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में 44 सहायक लेखाधिकारियों को मिली पदोन्नति, बने लेखाधिकारी

- आदेश जारी होने के बाद उत्तर प्रदेश लेखा एवं लेखा परीक्षा परिसंघ में खुशी की लहर दौड़ गई

सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्त विभाग के अंतर्गत कार्यरत 44 सहायक लेखाधिकारियों को लेखाधिकारी पद पर पदोन्नति देकर बड़ी प्रशासनिक राहत दी है। इस महत्वपूर्ण निर्णय से प्रदेश में लेखा प्रणाली के संचालन में न केवल दक्षता बढ़ेगी, बल्कि कर्मचारियों के मनोबल को भी बल मिलेगा।

इस पदोन्नति के आदेश जारी होने के बाद उत्तर प्रदेश लेखा एवं लेखा परीक्षा परिसंघ में खुशी की लहर दौड़ गई है। परिसंघ के अध्यक्ष सुशील कुमार बच्चा ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए शासन का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे कार्मिकों को यह उपलब्धि मिलने से संगठन को नई ऊर्जा मिली है।

अध्यक्ष सुशील कुमार बच्चा ने आगे बताया कि परिसंघ की ओर से शासन से अनुरोध किया गया है कि विभाग में शेष रिक्त पदों के लिए भी जल्द समिति की बैठक बुलाकर पदोन्नति आदेश जारी किए जाएं। इससे न केवल प्रशासनिक कार्यों में गति आएगी, बल्कि योग्य कार्मिकों को समय पर सम्मान भी मिल सकेगा।

पदोन्नति प्राप्त करने वाले अधिकारियों में शरद कुमार शुक्ला, यदुवेश चतुर्वेदी, हरीश कुमार चौधरी, विशाल कुमार साहू, मनोज कुमार श्रीवास्तव और प्रदीप गौतम सहित कई अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे सरकार की सकारात्मक पहल बताया।

उन्होंने कहा कि शासन द्वारा समय-समय पर किए गए ऐसे फैसले कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने का काम करते हैं और कार्य संस्कृति में सुधार लाते हैं। साथ ही इससे सेवा के प्रति उत्तरदायित्व और कार्यक्षमता में भी इजाफा होता है। पदोन्नति को लेकर विभागीय स्तर पर भी उत्साह का माहौल है।

लखनऊ: आचार्य नरेंद्र देव वार्ड में गंदे पानी की सप्लाई से पार्षद और जनता नाराज, जलकल कार्यालय पर धरना

सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के ठाकुरगंज क्षेत्र स्थित जोन 6 के आचार्य नरेंद्र देव वार्ड में गंदा और बदबूदार पानी मिलने से नाराज़ भाजपा पार्षद मनीष रस्तोगी और स्थानीय निवासियों ने जोन-6 के जलकल कैंप कार्यालय पर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने इलाके में खराब पड़ी बोरिंग और गंदे पानी की आपूर्ति को लेकर तीखी नाराजगी जताई।

पार्षद मनीष रस्तोगी ने बताया कि वह पहले भी बालागंज स्थित जलकल विभाग कार्यालय में इस गंभीर समस्या की शिकायत कर चुके हैं, लेकिन विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जलकल विभाग की लापरवाही और उदासीनता से जनता परेशान है, और विभाग जानबूझकर सरकार को बदनाम करने की साजिश कर रहा है।

क्षेत्रवासियों को परेशानी

धरने में शामिल आचार्य नरेंद्र देव वार्ड के निवासियों ने बताया कि उन्हें कई दिनों से गंदा, बदबूदार और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

वहीं, इलाके में कई हैंडपंप और बोरिंग खराब पड़ी हैं, जिससे पानी की नियमित आपूर्ति बाधित हो रही है।

जलकल विभाग पर सवाल

पार्षद रस्तोगी का कहना है कि उन्होंने विभाग को कई बार लिखित और मौखिक रूप से अवगत कराया, लेकिन न तो कोई मरम्मत कराई गई, न ही जल की गुणवत्ता को लेकर कोई कदम उठाया गया। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि जलकल विभाग ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

पार्षद की मांग

धरने के दौरान पार्षद ने स्पष्ट रूप से कहा कि जलकल विभाग को अविलंबः गंदे पानी की आपूर्ति बंद करनी चाहिए। खराब बोरिंग की मरम्मत कर नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। क्षेत्र में जल की गुणवत्ता की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करनी चाहिए। स्थानीय लोगों ने भी एक सुर में मांग की कि स्वच्छ पेयजल हर नागरिक का अधिकार है और सरकार को इस दिशा में तुरंत ठोस कदम उठाने चाहिए। धरने के चलते जलकल विभाग के अधिकारियों में हलचल मच गई है और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान निकलेगा।

बाल गृह आश्रय स्थल में हुआ सिलाई मशीन का वितरण

सिलाई मशीन से बालिकाएं बढ़ायें अपना स्किल

सब का सपना संवाददाता

गोण्डा। बाल गृह (बालिका) आश्रय स्थल पन्तनगर में सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंडलीय आकांक्षा समिति की अध्यक्ष गरिमा भूषण, आयुक्त देवीपाटन मंडल शशि भूषण लाल सुशील, जिलाधिकारी गोंडा नेहा शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन, एसपी की धर्मपत्नी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अध्यक्ष गरिमा भूषण द्वारा बच्चों को सिलाई मशीन वितरित की गई। बालिकाओं के प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाने के दौरान निर्मित की गई वस्तुओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस दौरान सभी बालिकायें प्रसन्न दिखाई पड़ी और उन्होंने सभी अधिकारियों का गीत गाकर स्वागत किया। आकांक्षा समिति की अध्यक्ष गरिमा भूषण ने बालिकाओं को सिलाई मशीन वितरित की और उन्हें अपनी स्किल बढ़ाने और पढ़ाई लिखाई करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके कौशल को विकसित करने में मदद करना है। सिलाई मशीन के माध्यम से वे अपने लिए रोजगार के अवसर भी पैदा कर सकती हैं। आयुक्त देवीपाटन मंडल और जिलाधिकारी गोंडा ने भी बालिकाओं से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान के लिए निर्देश दिए।इस मौके पर मंडलीय आकांक्षा समिति की अध्यक्ष गरिमा भूषण ने सभी बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सिलाई मशीन के माध्यम से आप लोग नई-नई चीज सिलकर अपनी स्किल को बढ़ायें। इसके अलावा पढ़ाई लिखाई कर अपना विकास करें।

उन्होंने सभी बच्चियों से कहा कि आपको जो क्षेत्र पसंद हो उसमें अपना करियर बनाएं। पढ़ाई के साथ-साथ स्पोर्ट्स व अन्य क्षेत्रों में भी रुचि रखें। अपने आप को मजबूत बनाएं हम सब आपके साथ हैं अपने आप को अकेला ना समझे। इस मौके पर जिलाधिकारी गोंडा नेहा शर्मा ने बालिकाओं से कहा कि आप सभी में सकारात्मक ऊर्जा दिख रही है। आप अपने आप को अकेला महसूस ना करें हम सब आपके साथ हैं। आपका हॉस्टल काफी अच्छा बना हुआ है। आप लोग अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपना नाम बनाएं। उन्होंने कहा कि सभी बालिकायें मिलजुल कर रहे हैं।

इस अवसर पर आयुक्त देवीपाटन मंडल ने बालिकाओं से समस्याओं के बारे में जानकारी ली और उसके निराकरण हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिए। उन्होंने सभी बच्चों को अपनी बात रखने तथा स्किल बढ़ाने की बात कही।

बालपुर चौकी और करनैलगंज थाना पुलिस पर रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप

पीड़िता को नहीं मिल रहा न्याय, दबंगों को संरक्षण

सब का सपना संवाददाता

गोंडा। थाना करनैलगंज और बालपुर चौकी के पुलिसकर्मियों पर भ्रष्टाचार और दबंगों को संरक्षण देने के गंभीर आरोप लगे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों और वीडियो में कथित तौर पर पुलिस की रिश्वतखोरी उजागर हुई है। मामला ग्राम भोंका से जुड़ा है, जहां 9 मई 2025 को दोपहर 2 बजे 4-5 लोगों ने एक महिला को उसके घर से जबरन उठाकर दुष्कर्म का प्रयास किया। हमले में पीड़िता के पेट और निजी अंगों पर गंभीर चोटें आईं। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

आरोप है कि बालपुर चौकी और करनैलगंज थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया और उल्टे उसके परिवार के खिलाफ एनसीआर दर्ज कर दी। पीड़िता और उसके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियाँ मिल रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस रिश्वत लेकर दबंगों को संरक्षण दे रही है। पीड़िता प्रशासन से बार-बार न्याय की गुहार लगा रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। पुलिस की इस निष्क्रियता और भ्रष्टाचार ने सवाल उठाए हैं कि क्या उत्तर प्रदेश में महिलाएँ सुरक्षित हैं? गोंडा पुलिस पर पहले भी रिश्वतखोरी के वीडियो वायरल होने की घटनाएँ सामने आ चुकी हैं, लेकिन कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई। देखना यह है कि इस मामले में दोषियों पर कब कार्रवाई होगी।

निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश की संपत्तियों की तलाश में विजिलेंस, एलडीए से मांगा ब्योरा

सब का सपना संवाददाता

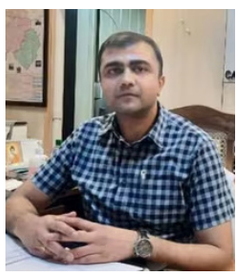

लखनऊ। घूसखोरी के गंभीर आरोपों में निलंबित चल रहे आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश पर शिकंजा कसता जा रहा है। विजिलेंस विभाग ने अब उनके और उनके परिवार के नाम दर्ज संपत्तियों का ब्योरा एकत्र करना शुरू कर दिया है। जांच की कड़ी में लखनऊ विकास प्राधिकरण से जानकारी मांगी गई है।

सूत्रों के अनुसार, विजिलेंस विभाग ने एलडीए को पत्र भेजकर कहा है कि वह अभिषेक प्रकाश और उनके परिजनों के नाम दर्ज सभी संपत्तियों की प्रमाणित अभिलेख प्रतियां सात दिनों के भीतर उपलब्ध कराए। इसमें जमीन, फ्लैट, व्यावसायिक संपत्तियों सहित लीज या आवंटन से जुड़ी सभी जानकारियां मांगी गई हैं।

अभिषेक प्रकाश पर आरोप है कि उन्होंने एक ठेका देने के एवज में रिश्वत ली थी। इसी मामले में उन्हें पहले निलंबित किया गया और अब उनके खिलाफ विस्तृत जांच चल रही है। विजिलेंस विभाग ने वित्तीय लेन-देन और संभावित बेनामी संपत्तियों की भी छानबीन शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि एलडीए में अभिषेक प्रकाश के कार्यकाल के दौरान कई विवादित आवंटन और स्वीकृतियों को लेकर शिकायतें सामने आई थीं। अब उन्हीं दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

विजिलेंस की यह कार्रवाई साफ संकेत देती है कि विभाग अभिषेक प्रकाश के खिलाफ मजबूत कानूनी आधार तैयार करने में जुटा है। सूत्रों का कहना है कि आय से अधिक संपत्ति, बेनामी निवेश और पद का दुरुपयोग जैसे बिंदुओं पर भी जांच का दायरा बढ़ सकता है। प्रशासनिक हलकों में इस कार्रवाई को सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि भ्रष्टाचार के मामलों में अब उच्च अधिकारियों पर भी कोई रियायत नहीं बरती जाएगी।

विदेशी सैलानियों को आकर्षित करने में ट्रैवेल-टूर ऑपरेटर्स निभाएं अहम भूमिकाः जयवीर सिंह

पर्यटन भवन में ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड एवं ट्रैवेल-टूर ऑपरेटर्स के साथ पर्यटन एवं मंत्री की बैठक

सब का सपना संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार दुधवा को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। इस क्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आज पर्यटन भवन में ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड एवं ट्रैवेल-टूर ऑपरेटर्स के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि दुधवा टाइगर रिजर्व प्रदेश की जैव विविधता और प्राकृतिक धरोहर का अनमोल हिस्सा है। यह क्षेत्र न केवल दुर्लभ वन्यजीवों और वनस्पतियों का घर है, बल्कि शांति और प्रकृति से जुड़ने की चाह रखने वाले पर्यटकों के लिए भी अत्यंत आकर्षक स्थल है। दुधवा को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के लिए राज्य सरकार गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि दुधवा और उसके आसपास के क्षेत्रों में योग एवं वैलनेस सेंटर, ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय हस्तशिल्प, खानपान, और आवासीय सुविधाओं को बढ़ावा देने की योजना है। इसके साथ ही, लखनऊ से दुधवा तक हवाई सेवा शुरू की जा चुकी है, जिससे पर्यटकों को सीधा और सहज आवागमन मिल रहा है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि ट्रैवेल और टूर ऑपरेटर्स विदेशी सैलानियों को उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित करने में एक अहम कड़ी हैं। उन्होंने ऑपरेटर्स से अपील की कि वे दुधवा की सुंदरता और जैव विविधता को वैश्विक मंच पर प्रचारित करें और प्रदेश को विदेशी पर्यटकों के मामले में पहले पायदान पर लाने में सहयोग दें। जयवीर सिंह ने बताया कि बीते आठ वर्षों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया है, जिससे प्रदेश की हरियाली और वन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सरकार वन्यजीव संरक्षण और दुर्लभ प्रजातियों को अगली पीढ़ी तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। दुधवा की विशेषताओं का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि यह क्षेत्र हिमालयी तराई में स्थित है और टाइगर रिजर्व के साथ-साथ घने जंगल, दलदली मैदान और झीलों के चलते प्रकृति के विविध स्वरूपों को दर्शाता है। यह क्षेत्र केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि विश्वभर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है। इस बैठक में उत्तर प्रदेश पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक सान्या छाबड़ा, निदेशक पर्यटन प्रखर मिश्र, और पर्यटन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में सभी हितधारकों ने दुधवा को एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गंतव्य बनाने के लिए सहयोग का भरोसा दिया।

संक्षिप्त समाचार

नूंह पुलिस के साथ एनकाउंटर; 3 गौ तस्करों को लगी गोली, करने जा रहे थे गाय की हत्या

नूंह, एजेंसी। नूंह पुलिस के साथ मंगलवार को हुई एक मुठभेड़ में तीन कथित गौ तस्करों को गोली लग गई। उनको पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि तीन अन्य भागने में सफल रहे। अधिकारियों ने बताया कि तीनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी। इससे तीनों घायल हो गए। पुलिस कांस्टेबल अजय की दाहिनी आंख पर एक तस्कर ने चाकू से हमला कर दिया। इससे वह घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मी और आरोपियों को इलाज के लिए नल्हड़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी गौ तस्करों के

पास से दो देशी पिस्तौल, तीन कारतूस, सात खोखे, तीन चाकू, दो कुल्हाड़ियां, एक मृत और दो जीवित गाय, दो मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पकड़े गए तस्करों की पहचान राहिल (36), ताहिर (42) और शहजाद (35) के रूप में हुई है। तीनों के पैरों में गोलियां लगी हैं। तीनों ही पचगांव गांव के निवासी हैं। आरोपियों के खिलाफ ताउरू सदर थाने में एक केस दर्ज कर लिया गया है। नूंह के उपायुक्त (डीएसपी) हरिंदर कुमार ने बताया कि एक खुफिया इनपुट के आधार पर पचगांव गांव की पहाड़ी के पास दो पुलिस टीमों ने छापेमारी की। पुलिस ने मौके पर एक गाय को रस्सियों से बंधा पाया। छह लोग गाय की हत्या करने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस की टीमों को देखकर आरोपियों ने अवैध हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। इस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की ओर से की गई फायरिंग में 3 गौ तस्कर राहिल, ताहिर और शहजाद गोली लगने से घायल हो गए। डीएसपी ने बताया कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। ताहिर और राहिल भाई हैं। दोनों ही गौ तस्करी में संलिप्त बताए जाते हैं। दोनों के खिलाफ पहले से ही पांच मामले दर्ज हैं। शहजाद के खिलाफ दो मामले दर्ज हैं। मुठभेड़ के दौरान तीन अन्य गो तस्कर भागने में सफल रहे। पुलिस की जांच में उनकी पहचान हो गई है। पुलिस ने उनकी पहचान बिलाल, शोएब और तसलीम के रूप में की है।

बिजनौर में दो सहेलियां शादी करने के लिए जिद पर अड़ी, अनुमति लेने पहुंची थान

बिजनौर, एजेंसी। यूपी के बिजनौर में दो सहेलियां शादी करने के लिए जिद पर अड़ गईं। उनके घर वाले नहीं माने तो घर से भाग गईं और पुलिस के पास अनुमति लेने पहुंची। वहीं, एक लड़की की मां ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी। मामला बिजनौर के अफजलगढ़ का है। दो सहेलियां साथ रहने के लिए घर छोड़कर चली गईं। तीन दिन पहले दोनो सहेलियां थाने पहुंची थी और शादी करने की

अनुमति मांगी थी। बालिग होने के चलते दोनों को पुलिस ने नहीं रोका था। अब एक युवती की मां ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है।
अफजलगढ़ थाने के गांव निवासी महिला के पति की काफी पहले मौत हो गई थी। उसकी दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी को बेटे की तरह पाला। जिसके चलते लड़की का रहन सहन लड़कों की तरह हो गया। युवती ने घर चलाने के लिए पेट्रोल पंप पर काम किया। यहां तक कि ई-रिक्शा चलाकर मां और बहन की जिम्मेदारी उठाई। इस दौरान युवती का प्रेम प्रसंग अपनी सहेली के साथ हो गया। दोनों ने साथ जीने मरने की कसमें खाईं। तीन दिन पूर्व दोनों सहेलियां अफजलगढ़ थाने पहुंच गई और शादी करने की अनुमति मांगी।

तुर्की के बॉयकॉट के सवाल पर कन्नी काटने लगे कांग्रेस प्रवक्ता

भाजपा ने कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी की बुधवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार को लेकर पूछे गए सवाल पर पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और पवन खेड़ा जवाब देने से कतराते नजर आए। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे की ओर माइक पास करते हुए सवाल को टालने की कोशिश की, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इस मुद्दे पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्या हुआ?

कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने तुर्की के खिलाफ भारत में बढ़ते बहिष्कार के आह्वान पर पार्टी का रुख पूछा। ये दोनों देश खुलकर पाकिस्तान का समर्थन करते दिखे थे। ऐसे में सवाल का जवाब देने के बजाय, कांग्रेस के संचार प्रभारी जयराम रमेश और मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा एक-दूसरे को माइक पास करते नजर आए। पवन खेड़ा ने आखिर में कहा, हम इस मुद्दे पर बाद में बात करेंगे। इस

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद बीजेपी ने इसे कांग्रेस की राष्ट्र-विरोधी मानसिकता का सबूत बताया।

बीजेपी का हमला

बीजेपी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने इस घटना पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस देश के व्यापक जनभावनाओं के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, तुर्की और अजरबैजान द्वारा आतंकी देश पाकिस्तान को दिए जा रहे समर्थन से देश गुस्से में है। इन देशों के साथ व्यापार और पर्यटन का बहिष्कार करने की मांग बढ़ रही है और निजी नागरिक एकजुटता में खड़े हो रहे हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी खुद को भारतीय लोगों की व्यापक भावना के साथ भी नहीं जोड़ पा रही है। कोई आश्चर्य नहीं कि यह जनता से इतनी कटी हुई है। यह अपनी राजनीतिक गुमनामी और पूर्ण अलगाव की हकदार है।

कांग्रेस का पलटवार

जवाब में, कांग्रेस ने बीजेपी पर पलटवार करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर फैसले लेना सरकार का काम है, न कि विपक्ष का। पवन खेड़ा ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, चूंकि यह सवाल बीजेपी के एक पदाधिकारी ने उठाया है, इसलिए प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को तुरंत स्पष्ट करना चाहिए कि क्या भारत सरकार ने तुर्की के साथ सभी राजनयिक और व्यापारिक संबंध तोड़ दिए हैं और क्या भारत में तुर्की का दूतावास बंद कर दिया गया है। जयराम रमेश ने भी इस मुद्दे पर बीजेपी को घेरते हुए कहा, इसी तरह, प्रधानमंत्री कार्यालय और एस. जयशंकर को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि मोदी सरकार ने चीन के साथ सामान्यीकरण की प्रक्रिया क्यों शुरू की, जबकि वह भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण कर रहा है।

अगले हफ्ते आ रहा बंगाल की खाड़ी में नया चक्रवाती तूफान शक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उन खबरों का जोरदार खंडन किया है कि अगले हफ्ते बंगाल की खाड़ी में एक नया चक्रवाती तूफान शक्ति' आ रहा है। मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार को एक सख्त स्पष्टीकरण में कहा कि ऐसे किसी भी चक्रवात का पूर्वानुमान नहीं लगाया गया है। मौसम विज्ञान विभाग ने मीडिया के एक वर्ग पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उन खबरों से लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हुई है। अपने आधिकारिक बयान में ढ्ढरूष्ठ ने स्पष्ट किया कि 13 मई को, उसने केवल अंडमान सागर पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन की उपस्थिति की ही सूचना दी थी, न कि चक्रवाती तूफान आने की। एक दिन पहले मंगलवार को ऐसी खबरें आई थीं कि मौसम विज्ञान विभाग ने अंडमान सागर के ऊपर एक साइक्लोनिक

सर्कुलेशन की उपस्थिति को नोट किया है और कहा है कि वहां 16 से 22 मई के बीच कम दबाव वाली एक प्रणाली विकसित हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि यह प्रणाली 23 से 28 मई के बीच एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकती है, जिसे संभवत: शक्ति नाम दिया जा सकता है। अब मौसम विज्ञान विभाग ने इस खबर का खंडन किया है।
साइक्लोन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन अलग-अलग- मौसम विभाग ने कहा है कि साइक्लोन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन, दोनों मौसम विज्ञान की दृष्टि से अलग-अलग हैं। चक्रवाती परिसंचरण यानी साइक्लोनिक सर्कुलेशन ऊपरी वायुमंडल में घूमती हवाओं के साथ कम दबाव के क्षेत्र को संदर्भित करता है और यह एक मजबूत प्रणाली में विकसित हो भी सकता है और नहीं भी। जबकि इसके विपरीत, चक्रवाती तूफान एक सुव्यवस्थित प्रणाली है, जिसमें सतह पर हवा की गति 62-88 किमी प्रति घंटा होती है, जिसे अक्सर संभावित खतरे के रूप में नामित और ट्रैक किया जाता है।

मीडिया को चेतावनी

इसके साथ ही मौसम विज्ञान विभाग ने सभी मीडिया प्लेटफॉर्म से अटकलें लगाने वाली या गलत जानकारी प्रकाशित करने से बचने का आग्रह किया है। मौसम विज्ञान विभाग ने ये भी चेतावनी दी कि बार-बार गलत रिपोर्टिंग के परिणामस्वरूप आईएमडी को 'मीडिया को मौसम संबंधी जानकारी प्रदान करना बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।'

ऑपरेशन सिंदूर के बीच रेलवे का ऐतिहासिक कदम

जवानों को लेकर कश्मीर पहुंची पहली ट्रायल ट्रेन

कटरा, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर में रणनीतिक रूप से बेहद अहम कटरा-काजीगुंड सेक्शन पर पहली ट्रायल स्पेशल ट्रेन सफलतापूर्वक चलाई। खास बात ये है कि इस ट्रेन में केवल सैनिक सवार थे। ये जवान छुट्टी पर थे और उड़ानों के रद्द होने के चलते फंसे हुए थे। इस खंड में विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल, चिनाब ब्रिज को भी शामिल किया गया है। यह कदम सरकार की उस व्यापक योजना का हिस्सा माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और कनेक्टिविटी को मजबूत करना है। भारत-पाक तनाव के बावजूद, कश्मीर को शेष भारत से रेल के जरिए जोड़ने की योजना निर्बाध रूप से आगे बढ़ रही है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम- टाइम्स ऑफ इंडिया ने रेलवे सूत्रों के हवाले से लिखा है कि यह विशेष ट्रेन सुबह करीब 10 बजे कटरा से रवाना हुई और शाम 6 बजे वापस लौटी। पूरे सफर के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। ट्रेन का यह सफर

इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि यह सेक्शन भारत के सबसे कठिन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स में से एक चिनाब ब्रिज को भी पार करता है।

इस ट्रायल रन को ऑपरेशन सिंदूर और मौजूदा भारत-पाक संघर्ष की पृष्ठभूमि में और भी अधिक अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सेक्शन का उद्घाटन पिछले महीने करने वाले थे, लेकिन खराब मौसम के कारण कार्यक्रम टाल दिया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि, फिलहाल यह ट्रायल केवल कटरा से काजीगुंड तक किया गया। काजीगुंड से बारामूला तक सामान्य ट्रेन सेवाएं पहले से ही जारी हैं। काजीगुंड को कश्मीर का प्रवेशद्वार भी कहा जाता है। यह केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में पड़ता है।

पहले ही हो चुका है वंदे भारत ट्रेनों का परीक्षण

गौरतलब है कि इससे पहले रेलवे ने कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेनों का परीक्षण किया था, लेकिन उन ट्रेनों में कोई यात्री सवार नहीं थे। बुधवार का यह ट्रायल रन इस मायने में भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पहली बार है जब किसी ट्रेन ने सैनिकों को लेकर इस सेक्शन को पार किया। अब तक जम्मू-कश्मीर की मुख्य भूमि से संपर्क का एकमात्र साधन राष्ट्रीय राजमार्ग था, जो कई बार खराब मौसम, बर्फबारी या भूस्खलन की वजह से बाधित हो जाता था। ऐसे में इस रेलमार्ग से जुड़े इस नए प्रयास को क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स और सेना की तेज आवाजाही के लिहाज से गेम चेंजर माना जा रहा है।

यह क्या दर्शाता है ये ट्रायल रन?

सरकार कश्मीर को रेल नेटवर्क से जोड़ने के मिशन पर डटी हुई है, चाहे हालात कितने भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों। यह सेक्शन न केवल सेना के लिए, बल्कि आम नागरिकों के लिए भी एक वैकल्पिक और तेज़ संपर्क साधन बन सकता है। सामरिक दृष्टि से यह रेल मार्ग देश की सुरक्षा नीति में एक नई दिशा का संकेत देता है। इस सफलता के बाद अब पूरे देश की निगाहें उस दिन पर टिकी हैं जब प्रधानमंत्री इस ऐतिहासिक रेलमार्ग का औपचारिक उद्घाटन करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसा, दो की मौत चार घायल

सिडनी , एजेंसी। उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में बुधवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में कुछ ही घंटों के भीतर दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य की पुलिस ने बताया कि बुधवार को स्थानीय समयानुसार शाम 4 बजे के बाद ब्रिस्बेन से 1,000 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित ग्रामीण शहर ब्रेडन के पास एक राजमार्ग पर विपरीत दिशाओं में जा रहे दो वाहनों में आमने-सामने टक्कर हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एक वाहन में सवार 50 वर्षीय महिला को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया, जबकि गाड़ी चला रहे 50 वर्षीय व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया। वाहन के चालक, 40 वर्षीय महिला को गंभीर चोट आई और उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। 90 मिनट के अंदर सड़क दुर्घटना की ये दूसरी घटना थी। ब्रिस्बेन से लगभग 500 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में बाजूल के पास तीन वाहनों की टक्कर की रिपोर्ट पर पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को तैनात किया गया था। क्वींसलैंड पुलिस ने बताया कि एक एसयूवी

ब्रूस हाईवे पर दक्षिण की ओर जा रही थी। उत्तर की ओर जाने वाले एक सफेद पिकअप ट्रक से टकरा गई। एक ग्रे पिकअप ट्रक, जो उत्तर की ओर जा रहा था, फिर सफेद पिकअप से टकरा गया। यह हाईवे ब्रिस्बेन को राज्य के सुदूर उत्तर से जोड़ने वाला एक प्रमुख राजमार्ग है। एसयूवी के चालक, 24 वर्षीय व्यक्ति को घटनास्थल पर मृत घोषित कर दिया गया। दोनों पिकअप ट्रकों के चालकों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि फोरेंसिक क्रैश यूनिट दोनों घटनाओं की जांच कर रही है। दक्षिणपूर्वी राज्य विक्टोरिया में, पांच दिनों की अवधि में सड़कों पर 11 लोगों की मौत हो गई है, जिससे राज्य में 2025 में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या 114 हो गई है, जबकि 2024 में इसी समय यह संख्या 102 थी। ऑस्ट्रेलिया वार्षिक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के बीच में है।

पंजाबी मूल के चार नेता कनाडा में बनाए गए मंत्री, खालिस्तानी सोच से दूर; भारत के साथ मजबूत होंगे संबंध

ओटावा, एजेंसी। पंजाबी मूल के चार मंत्रियों को कनाडा में मंत्री बनाए जाने से भारत के साथ बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। दरअसल इस वक्त भारत और कनाडा के रिश्ते अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। लेकिन कार्नी के मंत्रिमंडल और पंजाबियों की दी गई अहमियत से अब रिश्तों को नई उम्मीद की किरण के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि जो मंत्री

पंजाबी मूल के हैं और अब कार्नी मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं वो खालिस्तानी विचारधारा से पूरी तरह से दूर हैं। कनाडा में रह रहे पंजाबी समुदाय के लोगों का मानना है कि कनाडा की सरकार में खालिस्तानी विचारधारा को दरकिनार कर नए संबंधों की शुरूआत करने की बेहतर पहल है। कनाडा में अनीता आनंद, मनिंदर सिद्धू, रूबी सहोता और रणदीप सराय को मंत्री बनाया गया है। कनाडा में पंजाबी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले पंजाबी सिख संगठन इन कनाडा के सरदार हरजोत सिंह कहते हैं कि विदेश मंत्री अनिता आनंद ने तो गीता पर हाथ रखकर मंत्री पद की सौगंध खाई। जिससे साफ है कि अबकी बार खालिस्तानियों को स्थान नहीं मिलने वाला है।
उनका कहना है कि मनिंदर सिद्धू भी कट्टरपंथी बयानबाजी से बचते रहे हैं। पार्टी की तरफ से दोनों को केबनिट मंत्री देकर यह संदेश दिया गया है कि आगे नफरत की बात कम अच्छे संबंधों को शुरू किया जायेगा। इस संगठन के मनिंदर सिंह सिद्धू का मानना है कि हालांकि लिबरल पार्टी में कई ऐसे सांसद जीते हैं जो काफी सीनियर हैं जो कई बार जीत चुके हैं।

बलूच नेता ने पाकिस्तान से आजादी का ऐलान किया: कहा- बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूच नेता मीर यार बलूच ने बुधवार को पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आजादी का ऐलान किया। उन्होंने इसके पीछे दशकों से बलूच लोगों के मानवाधिकार हनन, किडनैपिंग और हिंसा का हवाला दिया। मीर यार बलूच ने एक्स पोस्ट में कहा- बलूचिस्तान के लोगों ने अपना राष्ट्रीय फैसला दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए। आओ हमारा साथ दो। उन्होंने लिखा कि बलूच लोग सड़कों पर हैं और यह उनका राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है और दुनिया अब और मूक दर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारत और ग्लोबल समुदाय से बलूचिस्तान की आजादी के लिए मान्यता और समर्थन मांगा।

मीर यार ने भारतीय मीडिया, यूट्यूबर्स और भारतीय बुद्धिजीवियों से अपील की कि वो बलूचों को पाकिस्तान के लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं, बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं, जिन्हें कभी हवाई बमबारी, किडनैपिंग या नरसंहार का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) पर भारत के रुख का समर्थन किया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान पर इस इलाके को खाली करने के लिए दबाव डालने की अपील की। मीर यार ने कहा- भारत पाकिस्तानी सेना को हरा सकता है। अगर पाकिस्तान ने ध्यान नहीं दिया, तो खूनखराबे के लिए सिर्फ पाकिस्तानी सेना के लालची जनरल जिम्मेदार होंगे, क्योंकि इस्लामाबाद पीओके के लोगों को ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है।

बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद के कब्जा किया गया

मीर यार बलूच के मुताबिक दुनिया को बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के दावों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद से जबरन कब्जा किया गया था। बलूचिस्तान में लंबे वक्त से मानवाधिकार हनन हो रहा है। पाकिस्तानी सेना और पुलिस लोगों पर हमले करती है। यहां विदेशी मीडिया की पहुंच बहुत सीमित है, इस वजह से बलूचिस्तान से जुड़ी खबरें बाहर नहीं आ पाती हैं।

बलूचिस्तान की आजादी के लिए लड़ रहा है बीएलए

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) एक संगठन है जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा है। इसकी स्थापना 2000 के दशक की शुरुआत में हुई और इसे कई देशों द्वारा आतंकी संगठन भी घोषित किया गया है। बीएलए का दावा है कि बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का शोषण हो रहा है और बलूच लोगों के अधिकार छीन लिए गए हैं। यह संगठन पाकिस्तानी सेना, सरकार और चीनी प्रोजेक्ट्स जैसे सीपीईसी को निशाना बनाता रहा है। बीएलए अपनी गुरिल्ला शैली के लिए जाना जाता है। यानी पहाड़ी इलाकों में छिपकर सेना पर हमला करना और तुरंत वापस लौट जाना।
पाक सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कुछ दिन पहले एक बयान में कहा कि बलूचिस्तान में महज 1500 लोगों की वजह से अशांति फैली है और वो पाकिस्तान की लाखों की प्रोफेशनल फौज का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। ब्रिटिश ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट पीटर टैचेल का मानना है कि पाकिस्तान बलूचिस्तान की स्वतंत्रता में देरी कर सकता है, लेकिन इसे हमेशा के लिए रोका नहीं जा सकता। उन्होंने बलूच संघर्ष की तुलना वियतनाम के आंदोलन से की है। बलूच लेखक मीर यार का कहना है कि बलूचिस्तान अब आजादी से सिर्फ दो कदम दूर है। उन्होंने इसकी 1971 के बांग्लादेश की स्थिति से तुलना करते हुए कहा कि पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसियां इस वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर रही हैं।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाली टीम को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेगी

उप-विजेता 2.16 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे

सिडनी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए पुरस्कार राशि की घोषणा कर दी गई है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में होने वाले एकमात्र टेस्ट से एक महीने से भी कम समय पहले आईसीसी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 2023-25 ??संस्करण के लिए एक विशाल पुरस्कार राशि की घोषणा की है।

डब्ल्यूटीसी 2023-25 ??फाइनल के लिए कुल पुरस्कार राशि 5.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो पिछले दो संस्करणों की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। चैंपियन को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे जो 2021 और 2023 दोनों में दिए गए 1.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर से काफी अधिक है जबकि उप-विजेता को 800,000 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर अब 2.16 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

अंतिम टेस्ट के लिए 30 दिन की उल्टी गिनती को चिह्नित करते हुए आईसीसी ने इस मुकाबले के लिए उत्साह बढ़ाने वाला एक प्रचार वीडियो भी जारी किया जिसमें दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, शीर्ष तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा, प्रोटियाज स्टार एडेन मार्कराम, ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्टीव स्मिथ और शानदार ट्रैविस हेड के साथ-साथ पूर्व महान खिलाड़ी शॉन पोलक, डेल स्टेन, मैथ्यू हेडन, मेल जोन्स, नासिर हुसैन, शोएब अख्तर और रवि शास्त्री शामिल हैं। इसी के साथ ही दोनों फाइनलिस्टों ने टीमों का भी ऐलान कर दिया है।

दक्षिण अफ्रीका डब्ल्यूटीसी 25 स्टैंडिंग में शीर्ष पर रहा और लॉर्ड्स में फाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई जिसमें पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका पर जीत और भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज ड्रॉ रही। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत पर 3-1 की जीत के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की। उनके मजबूत अभियान में न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू और विदेशी सीरीज में पाकिस्तान को 3-0 से हराना भी शामिल है।

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ श्रृंखला के लिए साउदी को विशेषज्ञ सलाहकार किया नियुक्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने घोषणा की कि न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी को भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के खत्म होने तक इंग्लैंड का विशेषज्ञ कौशल सलाहकार नियुक्त किया गया है। भारतीय टीम इंग्लैंड के दौरे की शुरुआत 20 जून से लीड्स में पहले टेस्ट के साथ करेगी। यह दौरा 31 जुलाई से चार अगस्त तक ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट के साथ खत्म होगा। दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले साउदी इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय सत्र के शुरुआती मैच से पहले टीम से जुड़ेंगे जो अगले बृहस्तिवार से ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट होगा। 36 वर्षीय साउदी ने 107 टेस्ट मैच में 391 विकेट, 161 वनडे मैच में 221 विकेट और 126 टी20 मैच में 164 विकेट हासिल किए हैं। ईसीबी ने एक बयान में कहा, 'दुनिया भर में विभिन्न परिस्थितियों और सभी प्रारूपों में खेलने के अपने विशाल अनुभव के साथ वह खिलाड़ियों को अहम जानकारी प्रदान करेंगे। सलाहकार की भूमिका के बाद वह बर्मिंघम फीनिक्स के लिए 'द हंड्रेड' में खेलना शुरू करेंगे।

शोएब मलिक ने पीसीबी के मेंटर का पद छोड़ा, अन्य पर भी लटकी तलवार

लाहौर (एजेंसी)। शोएब मलिक ने अन्य जिम्मेदारियों का हवाला देते हुए घरेलू प्रतियोगिताओं के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के मेंटर पद से इस्तीफा दे दिया है। मेंटर पद से इस्तीफे को लेकर शोएब मलिक ने कहा कि यह आसान विकल्प नहीं था, लेकिन अपनी जिम्मेदारी पर विचार करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि कई अन्य जिम्मेदारियों को निभाने से मैं पाकिस्तान क्रिकेट और अपनी अन्य पेशेवर और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे पाऊंगा।

उल्लेखनीय है कि मलिक ने दो सप्ताह पहले बोर्ड को अपना इस्तीफा सौंपते हुए कहा था कि अब वह अगले सत्र में मेंटर नहीं होंगे। वह अपने शेष अनुबंध संबंधी दायित्वों को पूरा निर्वहन करेंगे। पीसीबी ने शोएब मलिक, मिस्बाह-उल-हक, सकलैन मुश्ताक, सरफराज अहमद और वकार यूनिस को मेंटर के रूप में 2027 तक तीन साल के अनुबंध पर नियुक्त किया गया था।

मलिक का इस्तीफा सार्वजनिक होने के बाद मीडिया रिपोर्ट्स ने बताया कि पीसीबी ने सभी पांच मेंटरों को हटाने का फैसला किया है। हालांकि पीसीबी के प्रवक्ता ने कहा कि चेयरमैन मोहसिन नकवी ने बोर्ड को इस बारे में नहीं बताया है। साथ ही अन्य मेंटरों का कहना है कि उन्हें किसी भी बदलाव के बारे में सूचित नहीं किया गया है।

टेनिस प्रशंसक पोप लियो 14वें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से मिले

वेटिकन सिटी (एजेंसी)। पोप लियो 14वें ने बुधवार को दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर से मुलाकात की। इटैलियन ओपन में विश्राम के दिन सिनर ने बुधवार को नए पोप से मुलाकात के दौरान उन्हें टेनिस रैकेट दिया और उनके साथ खेलने की पेशकश की। पहले अमेरिकी पोप लियो टेनिस खिलाड़ी और प्रशंसक हैं। उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में एक पत्रकार के सुझाव पर कहा था कि वह चैरिटी मैच खेलने के लिए तैयार हैं। लेकिन उस समय लियो ने मजाक में कहा था कि हम सिनर को आमंत्रित नहीं कर सकते। यह संभवत- सिनर के उपनाम के संदर्भ में था जिसका अंग्रेजी में अर्थ 'पापी' होता है। वेटिकन के सभागार में अपने माता-पिता के साथ पहुंचे सिनर ने इतालवी में कहा कि यह सम्मान की बात है। अपना एक रैकेट पकड़कर पोप लियो को दूसरा रैकेट और एक गेंद देते हुए सिनर ने उन्हें एक वॉली खेलने का सुझाव दिया लेकिन पोप ने आसपास की प्राचीन वस्तुओं को देखा और कहा कि बेहतर होगा कि ऐसा नहीं करें। शिकागो के 69 वर्षीय लियो ने इसके बाद अपनी सफेद पोशाक और विंबलडन के लिए इसकी उपयुक्तता के बारे में मजाक किया।

रोहित शर्मा ने टेस्ट के बाद वनडे से संन्यास पर तोड़ी चुप्पी, ...मैं खेलना छोड़ दूंगा

टेस्ट रिटायरमेंट के बाद पहली बार दिखे रोहित शर्मा, नेट सत्र में लगाए लंबे शॉट

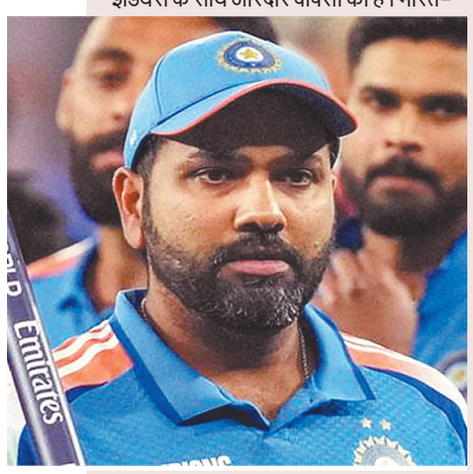

मुंबई (एजेंसी)। रोहित शर्मा के टी20 और टेस्ट से संन्यास के बाद अब वनडे से भी उनके संन्यास की अटकलें लगाई जा रही हैं। मार्च में भारत द्वारा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने के बाद रोहित के प्रारूप वनडे से संन्यास की अटकलें थी, लेकिन उन्होंने टेस्ट को अलविदा कहकर सभी को चौंका दिया था। रोहित की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम 2023 के वनडे विश्व कप के फाइनल में हार गई थी और ऐसी खबरें हैं कि 'हिटमैन' इस प्रारूप से बाहर होना चाहते हैं।

रोहित ने कहा, मैं पहले की तरह ही खेलता था, मैं अपना समय लेता था। मैं पहले 10 ओवर में 30 गेंदें खेलता था और सिर्फ 10 रन बनाता था। लेकिन अगर मैं अब 20 गेंदें खेलता हूं, तो 30, 35 या 40 रन क्यों नहीं बना सकता? और जिन दिनों मैं तेजी से आगे बढ़ता हूं, पहले 10 ओवर में 80 रन बनाना बिल्कुल भी बुरा नहीं है। अब मैं ऐसा ही सोचता हूं।

उन्होंने कहा, मैंने यह कर दिखाया है; मैंने वो रन बनाए हैं जो मुझे बनाने थे। अब मैं क्रिकेट को अलग तरीके से खेलना चाहता हूं। मैं इनमें से किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले रहा हूं। यह मत सोचिए कि चीजें इसी तरह चलती रहेंगी, कि मैं 20 या 30 रन बनाता रहूंगा और खेलता रहूंगा। जिस दिन मुझे लगेगा कि मैं मैदान पर वो नहीं कर पा रहा हूं जो मैं करना चाहता हूं, मैं खेलना छोड़ दूंगा। यह पक्का है। लेकिन अभी मैं जानता हूं कि मैं जो कर रहा हूं, उससे टीम को मदद मिल रही है।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद रोहित शर्मा ने आईपीएल 2025 की तैयारियों के लिए मुंबई इंडियंस के साथ जोरदार वापसी की है। भारत-पाकिस्तान विवाद के कारण एक सप्ताह के निलंबन के बाद आईपीएल 17 मई को फिर शुरू होगा। वानखेड़े स्टेडियम में रोहित ने पूर्ण प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लिया, जहां वे तिलक वर्मा, कर्ण शर्मा, मिशेल सेंटनर और रॉबिन मिंज के साथ नेट्स में बल्लेबाजी करते दिखे। मुंबई ने सोशल मीडिया पर इस प्रैक्टिस सत्र की वीडियो साझा की, जो प्रशंसकों में उत्साह जगा रही है।

मुंबई की वापसी 21 मई को वानखेड़े में दिल्ली कैपिटल्स और 26 मई को जयपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ लीग मैचों के साथ होगी। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए ये मुकाबले महत्वपूर्ण हैं। सीजन की शुरुआत में फॉर्म से जूझ रहे रोहित ने अप्रैल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ नाबाद 76 और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 70 रनों की पारियों से शानदार वापसी की। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 53 रनों की पारी और रयान रिकेल्टन (61) के साथ 116 रनों की ओपनिंग साझेदारी ने मुंबई को 100 रनों की प्रभावशाली जीत दिलाई।

37 वर्षीय रोहित आईपीएल इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने मुंबई के साथ पांच और डेक्कन चार्जर्स के साथ एक खिताब जीता। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में उनकी अनुभवी भूमिका मुंबई के लिए महत्वपूर्ण है। क्वालीफिकेशन की संभावनाएं अभी खुली हैं, और टीम को रोहित से मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है। मैदान से बाहर, रोहित ने पिछले सप्ताह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सुर्खियां बटोरीं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने 11 साल के टेस्ट करियर को अलविदा कहा, जिसमें 67 मैचों में 40.57 की औसत से 4301 रन, 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। अब, आईपीएल 2025 में मुंबई की नजर मजबूत अंत और एक और खिताब पर है।

रोहित शर्मा राजनीति में ! महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिले

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में भारतीय क्रिकेट स्टार रोहित शर्मा का अपने आधिकारिक निवास 'वर्षा' में स्वागत किया। इस खास मुलाकात में रोहित के शानदार टेस्ट करियर को सम्मानित किया गया। फडणवीस ने अपनी भावनाओं को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा किया और रोहित के प्रति प्रशंसा और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं, जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

फडणवीस ने लिखा कि भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा का मेरे आधिकारिक निवास 'वर्षा' में स्वागत करना, उनसे मिलना और बातचीत करना बहुत अच्छा रहा। मैंने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर शुभकामनाएं दीं और उनके सफर के अगले अध्याय में निरंतर सफलता की कामना की!

रोहित ने 11 साल और 67 टेस्ट के करियर के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा। उन्होंने नवंबर 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था और 67 टेस्ट में 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 रन था, जो 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में आया। वे भारत के 16वें सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में रिटायर हुए।

रोहित ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत 2013 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रनों की यादगार पारी के साथ की थी। शुरुआती वादे और कुछ शानदार पारियों के बावजूद, 'हिटमैन' को लंबे प्रारूप में अपनी जगह पक्की करने में मुश्किल हुई, खासकर विदेशी दौरों पर। 2013-18 के बीच, उन्होंने 27 टेस्ट में 39.63 की औसत से 1,585 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक शामिल थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 151 था। दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड जैसे देशों में उनकी बल्लेबाजी को चुनौती मिली, जहां सफलता को भारतीय बल्लेबाजों की महानता का पैमाना माना जाता है।

नीरज चोपड़ा लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि से सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और भारत के भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा को भारतीय सेना ने लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। भारत सरकार की साप्ताहिक आधिकारिक पत्रिका गजट ऑफ इंडिया के अनुसार यह नियुक्ति 16 अप्रैल 2025 से प्रभावी हुई है। नीरज 26 अगस्त 2016 को नायब सूबेदार के रूप में भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड अधिकारी के रूप में पहली बार शामिल हुए थे। इसके दो वर्ष बाद नीरज को एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार मिला और फिर 2021 में खेल रत्न से सम्मानित किया गया। इस वर्ष उन्हें सूबेदार के पद पर पदोन्नत किया गया। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद नीरज को 2022 में भारतीय सेना के सर्वोच्च शांतिकालीन सम्मान परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। भारतीय सेना ने कई प्रसिद्ध खिलाड़ियों को उनके खेल में उत्कृष्ट योगदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए मानद सैन्य उपाधियाँ प्रदान की हैं। निम्नलिखित कुछ प्रमुख खिलाड़ी हैं जिन्हें यह सम्मान प्राप्त हुआ है-

नीरज चोपड़ा

उपाधि- लेफ्टिनेंट कर्नल (टेरिटोरियल आर्मी)
विवरण - दो बार के ओलंपिक पदक विजेता (टोक्यो 2020 में स्वर्ण और पेरिस 2024 में रजत) और विश्व चैंपियन जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को 2025 में टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई। यह सम्मान उनके खेल में असाधारण योगदान और देश के प्रति निष्ठा के लिए प्रदान किया गया।

महेंद्र सिंह धोनी

उपाधि- लेफ्टिनेंट कर्नल (टेरिटोरियल आर्मी)
विवरण - पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान और विश्व कप विजेता (2011) धोनी को 2011 में 106 टेरिटोरियल आर्मी बटालियन (पैरा) में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई। वे एक योग्य पैराट्रूपर भी हैं, जिन्होंने पांच पैराशूट प्रशिक्षण कूद पूरी की। धोनी ने 2019 में कश्मीर में 15 दिन की स्वैच्छिक सेवा भी दी।

सचिन तेंदुलकर

उपाधि- ग्रुप कैप्टन (भारतीय वायु सेना)
विवरण- क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को 2010 में भारतीय वायु सेना द्वारा ग्रुप कैप्टन की मानद रैंक प्रदान की गई। यह सम्मान उनके क्रिकेट में अभूतपूर्व योगदान और युवाओं के लिए प्रेरणा बनने के लिए दिया गया।

अभिनव बिंद्रा

उपाधि- लेफ्टिनेंट कर्नल (टेरिटोरियल आर्मी)
विवरण- बीजिंग ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय व्यक्तिगत ओलंपिक चैंपियन अभिनव बिंद्रा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई।

कपिल देव

उपाधि -लेफ्टिनेंट कर्नल (टेरिटोरियल आर्मी)
विवरण- 1983 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव को 2008 में टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक प्रदान की गई। यह सम्मान उनके क्रिकेट में योगदान और नेतृत्व के लिए दिया गया।

क्या हॉकी एशिया कप के लिए भारत आएगा पाकिस्तान

नईदिल्ली (एजेंसी)। हॉकी एशिया कप के लिए पाकिस्तान टीम भारत आएगी या नहीं इस पर संशय बना हुआ। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच जंग की स्थिति बन गई। 10 मई को सीजफायर जरूर हो गया, लेकिन किसी भी पाकिस्तानी को भारत में एंट्री की परमिशन नहीं मिली है।

बिहार के राजगीर में एशिया कप 27 अगस्त से 7 सितंबर तक खेला जाएगा। यह अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है। जिसमें एशिया की टॉप-8 टीमें हिस्सा लेंगी।

सरकार के निर्देश मानेंगे- हॉकी इंडिया - हॉकी इंडिया के सेक्रेटरी जनरल भोलानाथ सिंह ने कहा, पाकिस्तान टीम एशिया कप के लिए आएगी या नहीं, इस पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी है। पहलगाम में आतंकी हमला और भारत का ऑपरेशन सिंदूर कुछ दिन पहले ही हुआ। ऐसे में इस वक्त कुछ भी कह पाना मुश्किल है।

टूर्नामेंट शुरू होने में अब भी करीब 3 महीने का समय

बचा है। हम शांति कायम होने का इंतजार कर रहे हैं। सरकार के जो भी निर्देश होंगे, हम उनका पालन करेंगे।भारत और पाकिस्तान के बीच 181 हॉकी मैच खेले गए। 82 में पाकिस्तान और 67 में भारत को जीत मिली। 32 मुकाबले ड्रॉ भी रहे।ँ

सरकार ने मना किया तो पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट होगा - हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा, अगर सरकार ने पाकिस्तान को एंट्री देने से मना किया तो उनके बिना टूर्नामेंट कराया जाएगा। सबकुछ सरकार के फैसले पर निर्भर है। अगर पाकिस्तान खेलने के लिए भारत नहीं आई तो उनके बिना टूर्नामेंट कराने का फैसला पूरी तरह एशियन हॉकी फेडरेशन करेगा। वे चाहें तो 7 टीमों को टूर्नामेंट करा सकते हैं या फिर पाकिस्तान की जगह किसी और टीम को मौका भी दिया जा सकता है।

2016 में भी भारत नहीं आई थी पाकिस्तान टीम - 2016 में पठानकोट एयरबेस पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत में जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप हुआ था। तब भी पाकिस्तान हॉकी टीम भारत नहीं आई थी। तब पाकिस्तान की जगह मलेशिया को एंट्री देकर टूर्नामेंट कराया गया था। दोनों देशों में तनाव के बाद पाकिस्तान का जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भी भारत आना मुश्किल लग रहा है। टूर्नामेंट चेन्नई और मदुराई में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा।भारत ने पिछले साल जूनियर हॉकी एशिया कप में पाकिस्तान को फाइनल हराकर ही टाइटल जीता था।

वर्ल्ड कप में डायरेक्ट एंट्री दिलाता है एशिया कप - नीदरलैंड के एम्सरटडैम में अगले साल 14 से 30 अगस्त तक हॉकी वर्ल्ड कप होगा। एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप में डायरेक्ट एंट्री मिलती है। 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया डिफेंडिंग चैंपियन है। वहीं भारत और पाकिस्तान को अपने-अपने चौथे टाइटल का इंतजार है। हॉकी एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के अलावा जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपे भी हिस्सा लेंगी। 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमों के बीच सेमीफाइनल और इसे जीतने वाली टीमों के बीच 7 सितंबर को फाइनल होना है।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों की एंट्री बैन, 27 अगस्त से बिहार में टूर्नामेंट

रोहित-कोहली के संन्यास से घबराने की जरूरत नहीं है : मांजरेकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि विराट कोहली और संजय मांजरेकर के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि 'फैब फोर' के विदा लेने के बाद भी भारतीय क्रिकेट ने वापसी की थी। आधुनिक क्रिकेट के दिग्गजों रोहित और विराट ने एक सप्ताह के भीतर टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

प्रोड्यूसर बनीं नयनतारा की पहली फिल्म का टीजर रिलीज

साउथ अभिनेत्री नयनतारा बतौर निर्माता अपनी फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी लेकर आ रही हैं। यह एक रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन और लेखन नयनतारा के पति विग्नेश शिवन ने किया है। जानिए कब रिलीज होगी यह एक्शन कॉमेडी फिल्म...

नयनतारा का इंस्टाग्राम पोस्ट

नयनतारा ने कुछ ही देर पहले इंस्टाग्राम पर फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट के साथ नयनतारा ने फिल्म LIK की एक झलक दिखाई और साथ ही कैप्शन में लिखा, आओ प्यार में पड़ें, इस त्यौहार के मौसम में... प्यार के त्यौहार का जश्न मनाने के लिए 18 सितंबर को आप सभी से मिलते हैं।
फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी की स्टार कास्ट लव इंश्योरेंस कंपनी एक साइंस फिक्शन रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इसे राउडी पिक्चर्स और सेवन स्क्रीन स्टूडियो ने मिलकर बनाया है। फिल्म में प्रदीप रंगनाथन, एसजे सूर्या और कृति शेट्टी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। इन सभी के अलावा फिल्म में योगी बाबू, गौरी जी किशन, मिस्किन, सीमन, आनंदराज, सुनील रेड्डी और शाह रा सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म की कहानी

फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी की कहानी काफी इंट्रेस्टिंग हैं, यह फिल्म एक आदमी के प्यार की तलाश की है। वह अपने प्यार की तलाश में एक मोबाइल गैजेट के सहारे साल 2035 के सफर पर चला जाता है। यानी अपने प्यार को पाने के लिए वह आदमी टाइम ट्रेवल करता है। यह फिल्म 18 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दुआ के जन्म के बाद प्रभास की इस फिल्म से वापसी करेंगी दीपिका पादुकोण

मां बनने के बाद अभिनेत्री दीपिका पादुकोण फिर वापसी कर रही हैं। बेबी दुआ के जन्म के बाद उन्होंने पहली फिल्म साइन की है। फिल्म है स्पिरिट। इस साउथ फिल्म में दीपिका एक्टर प्रभास के साथ नजर आएंगी। कहा जा रहा है कि दीपिका ने इस फिल्म में अपने किरदार के लिए तगड़ी फीस वसूली है।

दीपिका के करियर की सबसे ज्यादा फीस

अक्सर कहा जाता है कि शादी और मां बनने के बाद अभिनेत्रियों को फिल्में नहीं मिलतीं, मगर दीपिका पादुकोण इस मामले में नए मानक गढ़ रही हैं। शादी के बाद उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया तो बेबी दुआ के जन्म के बाद उनकी फीस में बढ़ोतरी हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दीपिका पादुकोण ने स्पिरिट फिल्म के लिए इतनी मोटी फीस ली है कि यह खुद उनके करियर की अब तक की सबसे ज्यादा फीस बताई जा रही है।

बनीं सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्री

बेटी के जन्म के बाद एक्टिंग से एक छोटे से ब्रेक के बाद दीपिका ने फिल्म स्पिरिट साइन की है। प्रभास की फिल्म स्पिरिट को लेकर चर्चा पहले से ही काफी तेज है, लेकिन दीपिका की फीस ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इंडिया टुडे डिजिटल के एक करीबी सूत्र के मुताबिक, दीपिका को स्पिरिट के लिए इतनी मोटी फीस मिली है कि वे देश की सबसे ज्यादा फीस

लेने वाली अदाकारा बन गई हैं। कहा जा रहा है कि उन्हें करीब 20 करोड़ रुपये मिले हैं। हालांकि, इसे लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स में फिल्म स्पिरिट के लिए दीपिका की यह फीस, रणवीर सिंह की हालिया फिल्मों के लिए दी गई फीस से ज्यादा बताई जा रही है। वैसे दीपिका की यह तगड़ी फीस कोई हैरानी की बात नहीं, क्योंकि पद्मावत, पीकू, ये जवानी है दीवानी, पठान और जवान सहित कई फिल्मों में उन्होंने खुद को लगातार साबित किया है। मेकर्स का भरोसा उनमें बढ़ा है। दीपिका और प्रभास इससे पहले फिल्म कल्कि 2898 एडी में साथ काम कर चुके हैं। दर्शक इन्हें फिर परदे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

रिलीज से पहले ही करोड़ों कमाने की तैयारी में ऋतिक रोशन की 'वॉर 2'

ऋतिक रोशन और साउथ स्टार जूनियर एनटीआर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यशराज फिल्म्स की इस स्पाई यूनिवर्स को लेकर दर्शकों में जबरदस्त क्रेज है। तो वहीं मेकर्स भी फिल्म को भव्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हाल ही में खबर आई थी कि एक्शन से भरपूर इस फिल्म में ऋतिक और जूनियर एनटीआर का एक जबरदस्त डांस सॉन्ग बैटल भी होगा। अब फिल्म को लेकर एक और बड़ी खबर आ रही है, जो फिल्म की लोकप्रियता और इसको लेकर बने लोगों के उत्साह को दर्शाती है।

तेलुगु वर्जन की बढ़ी डिमांड

'वॉर 2' को लेकर दर्शकों की दीवानगी इस कदर है कि फिल्म रिलीज से पहले ही करोड़ों की कमाई करने को तैयार है। 123 तेलुगु की एक एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, वॉर 2 के तेलुगु वर्जन के रिलीज से पहले ही 85 से 120 करोड़ रुपये की कमाई करने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, 'वॉर 2' के तेलुगु राइट्स की मांग 85 से 120 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट की मानें तो टॉलीवुड के शीर्ष निर्माता नागा वामसी और सुनील नारंग तेलुगु डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स को हथियाने की दौड़ में हैं। ये दोनों नाम तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज प्रोड्यूसर में से हैं, जो बड़े बजट की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

14 अगस्त को रिलीज होनी है 'वॉर 2'

'वॉर 2' एक हाई-स्टेक थ्रिलर है। जो 2019 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है। स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म में ऋतिक एक बार फिर कबीर नाम के जासूस की भूमिका में नजर आएंगे। जबकि जूनियर एनटीआर के फिल्म में नेगेटिव रोल में नजर आने की संभावना है। इन दोनों के अलावा कियारा आडवाणी भी इस फिल्म में ग्लैमर का तड़का लगाती दिखेंगी। 'वॉर 2' 14 अगस्त 2025 को रिलीज होने वाली है।

एकता कपूर के नागिन 7 में देरी क्यों? सामने आई बड़ी वजह

टीवी क्वीन एकता कपूर के शो 'नागिन 7' का फैंस काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। सुपरनैचुरल शो 'नागिन 7' की शूटिंग शुरू होने में लगातार देरी हो रही है। अब शो के लेट होने की बड़ी वजह सामने आ गई है जिससे फैंस को एक बार फिर निराशा हुई है। टेलीचक्कर की एक रिपोर्ट के मुताबिक अब तक एकता और उनकी टीम ने नागिन के नाम पर मुहर नहीं लगाई है। एकता की नई 'नागिन' फाइनल ना होने के चलते शो की शूटिंग शुरू नहीं हो पा रही है। एकता कपूर और उनकी पूरी टीम ने शो की स्क्रिप्ट पर काम करना शुरू कर दिया है। कहा जा रहा है कि 'नागिन 7' को रिलीज करने में एकता कपूर जून तक का समय लगा देंगी। खबरों की मानें तो ईशा मालवीय एकता कपूर की नागिन बन सकती हैं। हालांकि अब तक ईशा ने कंफर्म नहीं किया है। ईशा मालवीय, आखिरी बार यूट्यूब शो 'लवली लोला' में नजर आई थीं। उनके किरदार को खूब तारीफ मिली थी।

उर्फी जावेद ने वीज़ा रिजेक्शन के चलते रद्द किया कान्स का सफर

उर्फी जावेद के फैंस बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे कि वह इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी धमाकेदार एंट्री से सबको चौंकाएंगी। लेकिन, अफसोस की बात है कि उर्फी इस प्रतिष्ठित इवेंट में शामिल नहीं हो पाएंगी क्योंकि उनका वीज़ा रिजेक्ट हो गया। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट साझा करते हुए इस रिजेक्शन को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उर्फी ने लिखा, मैंने कुछ भी अपलोड नहीं किया और कहीं नज़र भी नहीं आई क्योंकि मैं एक दौर से गुज़र रही थी। मेरा बिजनेस नहीं चला। मैंने कई और चीज़ें ट्राई कीं, लेकिन वहां भी रिजेक्शन ही मिला। मेरी टीम और मैं बहुत निराश हो गए। हालांकि इस निराशा के बावजूद, उर्फी ने इस रिजेक्शन को प्रेरणा में बदल दिया और अपने फॉलोअर्स से भी आग्रह किया कि वे भी अपनी रिजेक्शन स्टोरीज़ साझा करें ताकि एक-दूसरे को प्रेरित किया जा सके। उन्होंने लिखा, मुझे यकीन है कि आप में से कई लोग भी रिजेक्शन का सामना कर रहे होंगे। चलो एक-दूसरे का सपोर्ट करें और हौसला बढ़ाएं।

कहां अटकी है अनुष्का शर्मा की चकदा एक्सप्रेस

पिछले काफी वक्त से अभिनेत्री अनुष्का शर्मा की फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' अटकी हुई है। ये फिल्म भारत की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान और दिग्गज तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होना है। फिल्म की एक झलक भी नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है। हालांकि, फिल्म की रिलीज को लेकर अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में दर्शक इस फिल्म को लेकर कन्फ्यूज हैं। अब झूलन गोस्वामी ने फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी साझा की है।

प्रोसित रॉय ने किया है निर्देशन

प्रोसित रॉय द्वारा निर्देशित और अभिषेक बनर्जी द्वारा लिखित 'चकदा एक्सप्रेस' झूलन गोस्वामी की बायोपिक है। लेकिन इसे स्पोर्ट्स बायोपिक से अलग बनाया जाना था। फिल्म के लिए अनुष्का शर्मा ने काफी मेहनत भी की थी। उनका लुक भी फिल्म से सामने आया था। नेटफ्लिक्स ने पहले चकदा एक्सप्रेस का एक टीज़र जारी किया था। हालांकि, बाद में ऐसा बताया गया कि ये फिल्म का फाइनल टीजर नहीं है। ऐसे में उसके बाद फिल्म को लेकर कोई जानकारी भी सामने नहीं आई है। फिल्म में देरी होने के पीछे का अभी तक कोई आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है। ऐसे में अब इस फिल्म को लेकर हर किसी को कन्फ्यूजन बना हुआ है।

प्रियंका चोपड़ा ने इब्राहिम अली खान को दी सलाह

फिल्म 'नादानियां' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले एक्टर इब्राहिम अली खान फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। अपनी पहली फिल्म के बाद इब्राहिम को मिले-जुले रिएक्शन्स मिले। इंडस्ट्री के जाने-माने कलाकारों ने इब्राहिम को सलाह दी। ऐसा ही एक संदेश ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा की तरफ से भी सैफ के लाडले को मिला। इब्राहिम ने अब एक इंटरव्यू में इसका जिक्र किया है। इंटरव्यू में अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए इब्राहिम ने बताया कि प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म देखने के बाद उन्हें एक मैसेज भेजा। इब्राहिम ने कहा, 'प्रियंका ने मैसेज भेजा कि उन्हें मेरी फिल्म पसंद आई है और मेरा भविष्य काफी ब्राइट है।' आगे बात करते हुए इब्राहिम ने कहा, 'उन्होंने मुझे कहा कि बस ऐसे ही मेहनत करते रहो और हमेशा ऐसे ही आगे बढ़ते रहना। प्रियंका जैसी सुपरस्टार से ये बात सुनना मेरे लिए काफी प्रेरणादायक था। इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिला।'

एक्टिंग को करियर क्यों चुना?

इस इंटरव्यू में इब्राहिम ने बताया कि उन्हें बहुत कम उम्र से ही फिल्मों की दुनिया को करीब से देखा है। वो अक्सर अपने पिता के साथ सेट पर जाया करते थे और वहीं से उनके दिल में अभिनय का बीज पड़ा। हालांकि, एक्टिंग को करियर के रूप में लेने का फैसला उन्होंने खुद की इच्छा से लिया और इस पर कोई बाहरी दबाव नहीं था।

फिल्म 'नादानियां' के प्रदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी पहली फिल्म वैसी नहीं निकली जैसी वह चाहते थे। उन्होंने कहा, मैं इस फिल्म से बहुत कुछ सीखने की कोशिश कर रहा हूं और अपने प्रदर्शन को लेकर ईमानदार हूं। मैं अपनी गलतियों को सुधारने और आगे बेहतर करने की पूरी कोशिश कर रहा हूं।

शनाया ने पूरी की जेसी की शूटिंग

सोनम कपूर, जान्हवी और खुशी के बाद कपूर परिवार की एक और लाडली फिल्मी दुनिया में आने वाली हैं। बात हो रही है एक्टर संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर की, जो आंखों की गुस्ताखियां फिल्म से डेब्यू कर रही हैं मगर, उन्होंने एक और फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसका नाम है जेसी। इस फिल्म का निर्देशन सुजात सौदागर कर रहे हैं टीम ने फिल्म की शूटिंग का जश्न केक काटकर मनाया, शनाया ने इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर किए हैं। शनाया ने केक की जो तस्वीर शेयर की है, उस पर लिखा है डायना कहा जा रहा है कि यह शनाया के किरदार का नाम हो सकता है एक तस्वीर में वे सुजात से गले लगती नजर आई हैं, उन्होंने कैप्शन लिखा है, शुक्रिया, बहुत धन्य महसूस हो रहा है, बेहद खुश हूं। सुजात ने भी अपनी स्टोरी पर फोटो लगाकर लिखा है, आपको मिस करेंगे, खूब आगे बढ़ो।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।